हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 292, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 16 अप्रैल, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

'कॉन्फ्रेंस टेबल नहीं, डिनर टेबल से निकलेगा जलवायु परिवर्तन का हल' : प्रधानमंत्री मोदी

हर परिवार और हर व्यक्ति को जागरूक करना होगा कि कैसे वो इस धरती को बचा सकता है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आज दुनिया के आगे भारत का दृष्टिकोण सामने रखा। विश्व बैंक के एक कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम ने कहा कि दुनिया को अगर जलवायु परिवर्तन से पार पाना है तो हर एक इंसान को इससे लड़ना होगा। दरअसल, विश्व बैंक में 'कैसे व्यवहारिक परिवर्तन जलवायु परिवर्तन से निपट सकता है' शीर्षक पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पीएम वर्चुअल रूप से जुड़े। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से पार पाने का सबसे शक्तिशाली तरीकों में से एक व्यवहार परिवर्तन है जिसकी शुरूआत हर घर से होनी चाहिए।

कांफ्रेंस टेबल नहीं, डिनर टेबल से लड़ना होगा- पीएम मोदी ने आगे कहा कि जलवायु परिवर्तन का मुकाबला अकेले कांफ्रेंस टेबल से नहीं किया जा सकता है, इसे हर घर में डिनर टेबल से लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि जब कोई विचार चर्चा टेबल से डिनर टेबल तक जाता है, तो यह एक जन आंदोलन बन जाता है। विश्व बैंक कार्यक्रम मिशन लाइफ में बोलते हुए पीएम ने कहा कि हर परिवार और हर व्यक्ति को जागरूक करना होगा कि कैसे वो इस धरती को बचा सकता है। पीएम ने कहा कि अब सोच बदलने का वक्त आ गया है।

भारत के लोगों के प्रयासों की तारीफ- पीएम ने व्यवहार परिवर्तन के उदाहरणों का हवाला देते हुए भारत के लोगों द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने पिछले कुछ वर्षों में बहुत कुछ किया है। यहां तक कि भारत के कई हिस्सों में लिंगानुपात में सुधार के प्रयास भी हुए हैं। पीएम ने कहा कि यह वही लोग थे जिन्होंने बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान, समुद्र तट या सड़कों को कूड़े से मुक्त करना सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने एलईडी बल्बों की ओर कदम बढ़ाकर दिखा दिया कि वो कुछ भी कर सकते हैं। इसके चलते 22 बिलियन यूनिट से अधिक ऊर्जा की बचत हो रही है।

पीएम मोदी ने पोइला बोइशाख की दी बधाई

नई दिल्ली। आज बंगाली भाषी लोगों का नया साल यानी पोइला बोइशाख मनाया जा रहा है। इस मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी को 'पोइला बोइशाख' के अवसर पर बधाई दी और उनके खुशी और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। पीएम मोदी ने ट्विटर पर कहा, "शुभो नबो बरसो! आने वाला साल खुशियां और बेहतर स्वास्थ्य लेकर आए। बंगाली संस्कृति और विरासत की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। नए साल की शुरूआत के साथ, मैं सभी की खुशी और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं। शुभो नाबो बोर्शो।" 'पोइला बोइशाख' दुनिया भर में बंगाली भाषी लोगों के लिए पारंपरिक नए साल की शुरूआत का प्रतीक है। इसे हर तरफ बंगाली भाषी लोग बहुत ही धूमधाम से मनाते हैं। चंद्र-सौर बंगाली कैलेंडर के पहले महीने (बैशाख) के पहले दिन 'पोइला बोइशाख' मनाया जाता है, जो इस साल शनिवार को पड़ा है। बंगाली सकाब्दि के अनुसार, साल का पहला दिन सबसे शुभ माना जाता है। 'पोइला बोइशाख' न केवल एक क्षेत्र में मनाया जाता है, बल्कि इसे दुनिया भर में बंगाली भाषी लोगों द्वारा मनाया जाता है। इस पर्व को बांग्लादेश समेत भारत के पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और असम के बंगाली भाषी क्षेत्रों में बंगालियों द्वारा काफी धूमधाम से मनाया जाता है और इसका बेहद अहम महत्व है।

पूर्वी कांगो में विद्रोहियों ने 42 लोगों को उतारा मौत के घाट, कई घरों में लगाई आग

किंशासा। पूर्वी कांगो के इटुरी प्रांत में एक विद्रोही गुट ने शुक्रवार को 42 लोगों की हत्या कर दी। एक सिविल सोसाइटी आर्गेनाइजेशन ने यह जानकारी दी। बनयारी किलो में आर्गेनाइजेशन के प्रमुख डुडोने लोसा ने कहा कि कोडेको मिलिशिया समूह द्वारा दजुगु क्षेत्र के तीन शहरों पर हमला किया गया। इस दौरान उन्होंने कई घरों को जला दिया। सात लोग घायल भी हैं, जिन्हें अभी तक सहायता नहीं मिली है।" बनयारी किलो वह क्षेत्र है, जहां हमला किया गया। सेना ने शुक्रवार को स्थानीय मीडिया से हमले की पुष्टि की और कहा कि वह अपराधियों की तलाश कर रही है। बता दें, CODE-CO (विभिन्न जातीय लेंडू मिलिशिया समूहों का एक संघ) और जैरे (मुख्य रूप से जातीय हेमा आत्मरक्षा समूह) के बीच लड़ाई 2017 से चल रही है, लेकिन हाल ही में हालात और बिगड़ गए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि कोडेको लड़ाकों ने फरवरी में 32 नागरिकों को मार डाला था। पिछले साल दिसंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ ने कहा था कि विद्रोही समूह अपने नियंत्रण के क्षेत्रों का विस्तार कर रहा है। नागरिकों और कांगो की सेना के सदस्यों पर हमला कर रहा है और अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में समुदायों पर कर लगा रहा है।

असद हुआ सुपुर्द-ए-खाक, शूटर गुलाम हसन भी दफनाया गया, अतीक के मोहल्ले में सन्नाटा

प्रयागराज। अतीक के बेटे असद अहमद और शूटर गुलाम के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया है। असद का शव प्रयागराज के कसारी और मसारी कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। वहीं, मेहंदौरी स्थित कब्रिस्तान में शूटर गुलाम हसन को दफनाया गया। उमेश पाल हत्याकांड में कस्टडी रिमांड पर लिए गए अतीक अहमद और अशरफ से धूमनगंज थाने में एंटी टेररिस्ट स्क्वॉयड (एटीएस) पूछताछ में जुटी है। हालांकि ऐसी जानकारी मिल रही है कि अतीक सवालों के जवाब नहीं दे रहा है। अतीक अहमद के वकील विजय मिश्रा ने कहा कि कोर्ट के समय से पहले ही सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इसलिए कोर्ट में अर्जी नहीं लग सकी। हमारी मांग थी कि अतीक अहमद को असद के जनाजे में शामिल किया जाए। शाइस्ता परवीन यहां मौजूद नहीं थीं। शासन-प्रशासन ने अंतिम प्रक्रिया कराने में सहयोग किया और किसी को एतराज नहीं है। अतीक के मोहल्ले चकिया कसारी मसारी ने इस समय सन्नाटा पसरा हुआ है। हमेशा भीड़ भाड़ रहने वाले मोहल्ले में इस समय सारी दुकानें बंद हैं। बड़ी संख्या में पुलिस पैरामिलिट्री फोर्स, महिला पुलिस और महिला पैरामिलिट्री फोर्स ही दिखाई दे रही है। गुलाम के अंतिम संस्कार में उसके पिता ने हिस्सा लिया। उसकी पत्नी सना भी कब्रिस्तान में मौजूद रहीं, जबकि भाई राहिल हसन और अन्य परिजनों ने जनाजे में हिस्सा नहीं लिया। बेटे असद के जनाजे में माफिया अतीक शामिल नहीं हो पाया। उसके परिवार से कोई भी सदस्य शामिल नहीं हुआ है। असद के नाना और मौसा शामिल हुए हैं। कई करीबी रिश्तेदार भी जनाजे में शामिल हुए हैं। प्रयागराज के एसीपी आकाश कुल्हारी ने कहा कि असद के परिवार के 20-25 करीबी यहां मौजूद रहे। असद के नाना ने सुपुर्द-ए-खाक करने के दौरान सभी प्रक्रियाएं पूरी कीं। असद के शव को सुपुर्द ए खाक कर दिया गया। असद और उसके सहयोगी गुलाम को 13 अप्रैल को यूपी एसटीएफ ने एक मुठभेड़ में मार गिराया था। माफिया अतीक अहमद के बेटे असद का अंतिम संस्कार प्रयागराज के कसारी मसारी कब्रिस्तान में किया गया। असद और उसके सहयोगी गुलाम को 13 अप्रैल को यूपी एसटीएफ ने एक मुठभेड़ में मार गिराया था। अतीक के बेटे असद अहमद और शूटर गुलाम के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया है। असद का शव प्रयागराज के कसारी और मसारी कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। वहीं, मेहंदौरी स्थित कब्रिस्तान में शूटर गुलाम हसन को दफनाया गया। उमेश पाल हत्याकांड को अंजाम देने वाले पांच लाख के शूटर गुलाम हसन को शिवकुटी के मेहंदौरी स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक कर दिया गया है। इस दौरान मिट्टी देने के लिए भारी भीड़ जुटी।

केजरीवाल बोले- जांच एजेंसियां कर रही लोगों को टॉर्चर, सिसोदिया के घर नहीं मिला एक भी पैसा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने शराब घोटाला मामाले में समन भेजा गया है। इसके बाद शनिवार को अरविंद केजरीवाल सामने आए और प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ईडी और सीबीआई पर कई आरोप लगाए हैं। केजरीवाल ने ये भी कहा कि जिन 14 फोन के तोड़े जाने का दावा ईडी-सीबीआई कर रही है वह सभी जिंदा हैं। केजरीवाल ने ईडी की जांच की रिपोर्ट दिखाते हुए कहा कि इनके डॉक्यूमेंट में है कि मनीष सिसोदिया ने 14 फोन तोड़ दिए और उन्हीं की सीजर रिपोर्ट कहती है कि उसमें से चार फोन ईडी के पास है। वहीं एक फोन सीबीआई के पास है, इस तरह से पांच फोन तो जांच एजेंसियों के पास ही हैं। अन्य भी जिंदा ही है जिसे टूटा हुआ बताया गया है। केजरीवाल ने कहा, कोई न कोई इस्तेमाल कर रहा है। कोई न कोई वॉलेंटियर यूज कर रहा है। इसकी जानकारी ईडी और सीबीआई को भी पता है। ईडी और सीबीआई ने कोर्ट में शपथ पत्र देकर झूठ बोला। सच कुछ नहीं मिला। शराब घोटाला कुछ नहीं है। झूठ बोलकर मनीष सिसोदिया को फंसाने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया, रोज किसी न किसी को पकड़ लेते हैं, उन्हें टॉर्चर करते, धमकी देकर, थर्ड डिग्री देकर मनीष सिसोदिया, केजरीवाल का नाम लेने को कहते हैं। कोई चंदन रेड्डी हैं, जिसे खूब मारा। मेडिकल रिपोर्ट में कहा है कि पेशेंट ने दोनों बताया कि 16 और 17 सितंबर को मारा, सुनाई नहीं दे रहा। जांच में पता चला कि दोनों कान में चोट है, कान के पर्दे फट गए। चंदन रेड्डी पर क्या कहने का दबाव डाला गया, उसे किस कागज पर साइन करने को कहा गया? अरुण पिल्लई हैं कोई, उन्हें धमकी दी, टॉर्चर किया। समीर महेंद्रू से टॉर्चर कर बयान लिया, मनस्वी, रौशन को टॉर्चर कर बयान लिए। एक ऐसा व्यक्ति है, जिसे एक कमरे में बैठा रखा था, दूसरे कमरे में उसकी पत्नी और पिताजी को बैठा रखा था। जबरदस्ती साइन करवा रहे हैं। एक व्यक्ति है, जिसे कहा कि कल तेरी बेटी कॉलेज कैसे पहुंचती है। एक व्यक्ति है, जिसके वकील ने कहा कि मेरे क्लाइंट पर दबाव डाला जा रहा है कि दिल्ली के राजनेताओं का नाम लीजिए।

न्यूजीलैंड के आकलैंड में ड्रग रैकेट का भंडाफोड़, इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले सतवंत सिंह का भतीजा गिरफ्तार

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के आकलैंड में पुलिस अधिकारियों ने मनुकाऊ में एक स्थानीय संपत्ति पर छापे के बाद एक ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया। छापेमारी के दौरान बीयर के केन में छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान बलतेज सिंह को गिरफ्तार किया गया, जो सतवंत सिंह का भतीजा है, जिसने साथी अंगरक्षक बेअंत सिंह के साथ अक्टूबर 1984 में पूर्व भारतीय पीएम इंदिरा गांधी की हत्या की थी। बता दें, 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की बेअंत सिंह और सतवंत सिंह ने मिलकर हत्या कर दी। इसमें से बेअंत सिंह को मौके पर मार दिया गया, जबकि सतवंत और केहर सिंह को 6 जनवरी 1989 को फांसी पर लटकाया गया। केहर सिंह, बेअंत का रिश्तेदार था। इस मामले में बलबीर सिंह भी शामिल था, जिसे बाद में सबूतों के अभाव में कोर्ट ने बरी कर दिया था। अपनी मौत के एक दिन पहले इंदिरा गांधी ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में एक जनसभा को संबोधित किया था, जिसमें उन्होंने कहा था- मेरे लहू का हर एक कतरा भारत की एकता को मजबूत बनाएगा। इंदिरा का जन्म 19 नवंबर 1917 को प्रयागराज में हुआ था। उनके पति का नाम फिरोज गांधी था। उनके दो पुत्र राजीव गांधी और संजय गांधी थे। इंदिरा गाधी सबसे पहले जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक प्रधानमंत्री रहीं। इसके बाद 14 जनवरी 1980 में वे फिर से प्रधानमंत्री बनीं। इंदिरा को सबसे पहले 1959 में कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया था। वह 1960 तक इस पद पर रहीं। इसके बाद 1978 में उन्होंने फिर से अध्यक्ष की कमान संभाली।

मोतिहारी में जहरीली शराब का कहर, अब तक 17 लोगों ने तोड़ा दम; चार दर्जन से अधिक गंभीर

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण)। मोतिहारी में जहरीली शराब का कहर जारी है। संदिग्ध परिस्थितियों में मरनेवालों की संख्या 17 हो गई है। चार दर्जन लोग गंभीर रूप से बीमार हैं। सभी के जहरीली शराब पीने की आशंका है। घटना को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने जांच के आदेश दिए हैं। सदर व अरेराज के अनुमंडल पदाधिकारी को संबंधित गांवों में जाकर जांच रिपोर्ट देने को कहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम संबंधित गांवों में भेजी गई है। उत्पाद अधीक्षक के नेतृत्व में शराब पीने के मामले की जांच के लिए टीम बनाई गई है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान हुई मौत के आंकड़ों पर गौर करें तो जिले के तुरकौलिया में चार, सुगौली में पांच, पहाड़पुर में दो और हरसिद्धि में तीन लोगों की जान संदिग्ध परिस्थितियों में गई है। बताया गया है कि शुक्रवार की शाम अचानक से पहली घटना तुरकौलिया थानाक्षेत्र के लक्ष्मीपुर में हुई। यहां के बैरिया बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में रामेश्वर राम उर्फ जटा राम की मौत हो गई। वहीं, इसी गांव के ध्रुव पासवान ने मोतिहारी के निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि अशोक पासवान व छोटू पासवान ने मुजफ्फरपुर स्थित मेडिकल कालेज अस्पताल में दम तोड़ दिया। पहाड़पुर थाना क्षेत्र के मुशहर टोली में गुटन मांझी और टुनटुन सिंह की मौत हुई है। सुगौली थाना क्षेत्र के गीधा में सुदीश राम, इन्द्राशन महतो, चुलाही पासवान, कौवाहा के गोविंद ठाकुर की मौत छतौनी के निजी अस्पताल में हो गई। वहीं, इसी थाना क्षेत्र के बड़ेया में गणेश राम की मौत हो गई। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के धवई मुशहर टोली में भी तीन लोगों की मौत की सूचना है। तुरकौलिया के लक्ष्मीपुर के बीमार संजय साह, कपिलदेव साह, बिनोद पासवान, अनिल पासवान, प्रमोद प्रसाद, प्रमोद पासवान, अजय राम, संजय राम, कैलाश पासवान, रवीन्द्र राम, उमेश राम, कमलेश पासवान व दिनेश पासवान का इलाज विभिन्न निजी अस्पतालों में चल रहा है। इसी तरह सुगौली, पहाड़पुर व हरसिद्धि के बीमार लोगों की चिकित्सा मोतिहारी के निजी अस्पतालों के अलावा पड़ोसी जिला बेतिया के भी निजी अस्पतालों में चल रहा है।

हाजीपुर में ऑनर किलिंग: मां-बाप ने गला घोंट दो बेटियों की कर दी हत्या

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर में सगी बहनों की ऑनर किलिंग का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। माता-पिता ने ही दोनों बेटियों की हत्या कर दी। मामला सराय थाना क्षेत्र के मणि भकुरहर गांव का है। दोनों बहनें नरेश भगत और रिंकू देवी की 18 वर्षीय पुत्री रोशनी कुमारी एवं 16 वर्षीय पुत्री अनु कुमारी थी। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक के मां रिंकी देवी को हिरासत में लिया है। सगी बहनों की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। नाबालिग बहनों की हत्या की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस को देखते ही आरोपित पिता मौके से फरार हो गया। मां को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के सामने आरोपित मां बिलख-बिलखकर रोने लगी। बताया जाता है कि आरोपित पिता कोलकाता में रहता था। पूछताछ के दौरान आरोपित मां ने बताया कि दोनों बेटियां बार-बार घर से भाग जाती थी। इस कारण सभी लोग दोनों से तंग थे। माता-पिता ने दोनों की गला दबा कर हत्या कर दी।

यूपी में बड़ा हादसा: शाहजहांपुर में गर्रा नदी के पुल से नीचे गिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 12 लोगों की मौत

बरेली। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में बड़ा हादसा हुआ है। शनिवार दोपहर को ट्रैक्टर ट्रॉली गर्रा नदी के पुल से नीचे गिर गई। ट्रॉली में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 40 लोग सवार थे। कई लोगों के मरने की खबर है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। घायलों को अस्पताल में भिजवाया गया है। बताया जा रहा है कि ये लोग गर्रा नदी से जल लेने आए थे। जानकारी के मुताबिक तिलहर क्षेत्र के बिरसिंहपुर गांव में कथा का आयोजन हो रहा है। गांव के लोग शनिवार की सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर गर्रा नदी जल लेने गए थे। जल भरने से पहले चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली गर्रा नदी के पुल पर मोड़ रहा था। बैक करते वक्त ट्रॉली पुल से नीचे उतर गई। देखते ही देखते ट्रॉली पुल से नीचे जा गिरी। घटना के वक्त ट्रॉली में महिलाएं, बच्चे समेत कई लोग सवार थे। हादसा होते ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। लोगों ने पुलिस को सूचना देने के साथ ट्रॉली को सीधा किया। ट्रॉली के नीचे दबे घायलों को अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि करीब 12 लोगों की मौत हो गई है। कई घायल हैं। इन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

नीतीश ने कराई गणना, बोले- हमें देख दूसरे राज्य भी कराएंगे

पटना। जातीय गणना के दूसरे चरण की शुरूआत हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर स्थित अपने घर जाकर परिवार के साथ मिलकर गणना करवाई। मीडिया से बातचीत करने हुए उन्होंने कहा कि साफ तौर पर कहा कि जातीय गणना की रिपोर्ट पब्लिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि किस जाति की आर्थिक स्थिति पता नहीं है। स्पष्ट नहीं है आर्थिक स्थिति खराब है तो उनकी स्थिति बेहतर हो इसके लिए रिपोर्ट को सामने लाया जाएगा। दो बार विधान सभा, विधान परिषद से भेजे। दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री जी से भी मिले। उनको भी कहा कि बाद में हम लोगों खबर आया कि हमलोग तो नहीं करेंगे। आपको आज आपको जाति के आधार पर जानकारी लेना है तो आप अपनी जानकारी लीजिए तो हम लोगों ने सारी पार्टी के साथ बैठकर क्या किया। सारे पार्टी के लोगों जनगणना तो केंद्र सरकार की काम है हम गिनती कर लेंगे। दूसरे राज्य वाले भी अब देखने देखना चाहते हैं। आप जरा सोच लीजिए कि सबकी ट्रेनिंग कराई है कि एक-एक जानकारी लीजिए। बढ़िया ढंग से कीजिएगा तो बाकी लोग भी देखना चाहेंगे और ज्यादातर राज्य कराने के लिए तैयार हो रहे हैं। यह मांग हम लोग बहुत पहले से कर रहे थे, पार्लियामेंट में भी यह सब बात करते रहते थे। देश का पीएम कैसा हो नारे पर नीतीश कुमार ने कहा कि कल (शुक्रवार) को भी हम कहे थे कि पार्टी ऑफिस में कैसे ऐसा नारा नहीं लगाइए। उन्होंने विपक्षी एकता को लेकर चल रही, अपनी मुहिम के बारे में बताया और कहा कि अपील करते हैं कि हम ऐसा कुछ नहीं कीजिए। जनता मालिक के फैसला करेगी।

संपादकीय

जड़, जंगल और जमीन के महत्व

प्रकृति के साथ जीवन बिताना और उसका संरक्षण भारत की संस्कृति में घुला रहा है। लेकिन वक्त के साथ बदलती दुनिया में भौतिकवाद और तकनीक पर आधारित जनजीवन का बड़ा असर पर्यावरण पर पड़ा है और अब यह वैश्विक चिंता का भी कारण बनता जा रहा है। यही वजह है कि न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में पर्यावरण को स्वच्छ बनाने या संरक्षण को लेकर आए दिन नई योजनाओं और कार्यक्रमों पर विमर्श चल रहा है, उस पर अमल भी हो रहा है। इसी क्रम में भारत में भी कई तरह की पहलकदमियां होती रही हैं। अब केंद्र सरकार की ओर से एक नई पहल के तहत देश भर में युवाओं को पर्यावरण से जोड़ने के लिए नई योजनाओं और रणनीति को लागू किया जाएगा। इस मसले पर गुरुवार को राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, नई दिल्ली और राज्य संग्रहालय, लखनऊ ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत दोनों संस्थाएं पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा की दिशा में मिल कर काम करेंगी और इसके लिए स्कूल और कालेज के युवाओं को जोड़ा जाएगा। गौरतलब है कि राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय की स्थापना राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा देने के मकसद से भी हुई है। इसी दिशा में अपने कार्यक्रमों के विस्तार के मकसद से इसने देश के दक्षिणी, मध्य, पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में अपने चार क्षेत्रीय संग्रहालयों के जरिए अपनी सेवाओं और अपने दृष्टिकोण पर एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम तैयार किया है। राज्य संग्रहालय, लखनऊ के साथ ताजा समझौता इसी दृष्टिकोण को जमीन पर उतारने की कोशिशों की एक कड़ी है। दरअसल, मौजूदा दौर में दुनिया भर में चल रही तकनीकी प्रगति के दौर में जैसे-जैसे भौतिकता का विस्तार हो रहा है, आम जनजीवन में तकनीकी सुविधाओं का उपभोग सामान्य होता जा रहा है, लोग प्रकृति और उसके अनिवार्य तकाजों की ओर से उदासीन हो रहे हैं। हालांकि आए दिन लगभग हर जगह पर्यावरण को लेकर जताई जाने वाली चिंताएं आम दिखती हैं, इस मसले पर अनेक संगठन काम कर रहे हैं, लेकिन इसी अनुपात में जागरूकता का प्रसार नहीं हो पा रहा है। अगर केवल प्लास्टिक के उपयोग के ही उदाहरण पर गौर किया जाए तो ज्यादातर लोग जानते हैं कि इसके इस्तेमाल का नुकसान कितना घातक और दीर्घकालिक असर रखता है, लेकिन इससे बचना किसी को जरूरी नहीं लगता। यह स्थिति लगभग सभी मामलों में है। इसकी एक जड़ बचपन और किशोरावस्था से लेकर युवा होने के क्रम में आम चलन का सामना करना होता है। कोई बच्चा अपने सामने वैसी चीजों और सुविधाओं का उपयोग आमतौर पर होता पाता है, उसमें सुविधा भी महसूस करने लगता है, जो आगे चलकर न केवल उसके लिए, बल्कि व्यापक तौर पर प्रकृति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकती है। शायद यही वजह है कि केंद्र सरकार की ताजा पहल में स्कूल और कालेज के बच्चों और युवाओं को पर्यावरण संरक्षण की नई पहल में जोड़ने की जरूरत महसूस की गई है। यों भी, अगर किसी मामले में व्यापक बदलाव की जमीन तैयार करनी है तो उसमें किशोर और युवा आबादी को सक्रिय रूप से शामिल करना होगा। हालांकि बीते कुछ दशकों से लगातार पर्यावरण को स्वच्छ बनाने या संरक्षण के लिए चल रहे प्रयासों के बीच बड़ी तादाद में युवाओं को जागरूक करने में मदद मिली है, लेकिन वैश्विक स्तर पर बढ़ते तापमान और अन्य स्थानीय कारकों के चलते प्रकृति की सहज गति पर नकारात्मक असर को कम करने के लिए अगर संबंधित संस्थाएं एक ठोस कार्यक्रम के साथ स्कूल-कालेजों के युवाओं का सक्रिय साथ लेती हैं, तो निश्चित तौर पर इस मोर्चे पर एक बेहतर भविष्य की उम्मीद की जा सकती है।

संडे को बुलाया!

हुई है नोटिस जारी ।
संडे को बुलाया ।।
कर दी चौपट छुट्टी ।
काम पर लगाया ।।
जांच में अब आ रहे ।
नए नए मोड़ ।।
देखते अब निकल कर ।
क्या आता निचोड़ ।।
पक्ष और विपक्ष का ।
जारी बाण चलाना ।।
हर तरफ से अलग अलग ।
पेश नया नजराना ।।
आई है जो चिट्ठी ।
होना होगा पेश ।।
आगे की खबर ।
पड़ी बहुत है शेष ।।

–कृष्णेन्द्र राय

डॉ. अम्बेडकर जयन्ती समारोह समिति वाराणसी ने मनाया बोधिसत्व बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बोधिसत्व बाबासाहेब डॉ० भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर डॉ० अम्बेडकर जयन्ती समारोह समिति वाराणसी के तत्वाधान में डॉ० अम्बेडकर स्मारक, कचहरी पर भव्य आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में बौद्ध अनुयायी तथा अम्बेडकरवादी लोग सम्मिलित हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर समिति के अध्यक्ष अद्धेय अरूण कुमार प्रेमी ने अपना वक्तव्य रखा कार्यक्रम का शुभारम्भ भंते गुरुधम्मो, भंते चंदिमा, भंते धम्मप्रिय, भंते बुद्ध ज्योति तथा समस्त भिक्खुसंघ द्वारा तथागत बुद्ध तथा बोधिसत्व बाबासाहेब की प्रतिमा के समक्ष पुष्पअपर्ण तथा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया` इस अवसर पर भिक्खुसंघ द्वारा धम्मदेशना देते हुए कहा गया कि बोधिसत्व बाबासाहेब ने बौद्ध धम्म को भारत में पुनः स्थापित किया क्योंकि बौद्ध धम्म के मार्ग के पर 'चलकर ही पूरे विश्व में शांति की स्थापना की जा सकती है बौद्ध धम्म करूणा, मैत्री का मार्ग बताता है इसके उपरान्त सामान्य ज्ञान तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन तथा बोधिसत्व बाबासाहेब डॉ० भीमराव अम्बेडकर का आंदोलन तथा हम सबका दायित्व विषयक संगोष्ठी दो सत्रों में किया गया जिसमें प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए श्रद्धेय लालमन राम (संरक्षक- राजआपका) ने कहा कि बोधिसत्व बाबासाहेब ने जीवन पर्यन्त संघर्ष किया बहुजनों को शिक्षित बनाने का क्योंकि शिक्षित व्यक्ति ही अपने अधिकारों की सुरक्षा तथा संरक्षण कर सकता है संगोष्ठी के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता करते हुए श्रद्धेय डॉ0 विनोद कुमार (सार्थक सर्जिकल सेंटर) ने कहा कि बोधिसत्व बाबासाहेब ने ऐसे समाज को सशक्त बनाने के लिए कार्य किया जो मानसिक रूप से गुलाम है किंतु जब वह बौद्ध धर्म के मार्ग पर चलेगा तो अवश्य ही उन्नति की ऊचाईयों पर पहुंचेगा मुख्य अतिथि श्रद्धेय बाबा पी० भोसले कमिश्नर इनकम टैक्स, मुम्बई, भारत सरकार ने कहा कि बोधिसत्व बाबासाहेब एकमात्र ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व है जिनके ज्ञान की पूरे विश्व ने सराहना की है तथा उस पर अमल करके देश का समग्र विकास किया है किंतु भारत में जाति व्यवस्था के कारण ज्ञान की श्रेष्ठता को स्वीकार नहीं किया जाता है` इं०सुग्रीव राम (अधिशासी अभियंता) ने कहा कि बाबासाहेब के उच्च शिक्षित व्यक्ति ही नहीं थे बल्कि दूरदृष्टा थे क्योंकि भारत में बनी नदी घाटी परियोजना तथा रिजर्व बैंक की स्थापना बाबासाहेब की दूरदर्शी विचारों के आधार पर ही की गयी श्रद्धेय रामकेश गौतम (जिला न्यायाधीश, बदायूँ) ने कहा कि बाबासाहेब पिछड़े वर्गों की आजादी चाहते थे क्योंकि पिछड़ा वर्ग आज भी हिंदूओं का मानसिक गुलाम है वह तब ही स्वतंत्र हो सकता है जब

स्वयं को बौद्ध घोषित करे` इं०एस०वी०राव (अधिशासी अभियंता) ने कहा कि बाबासाहेब ने पिछड़े वर्गों के लिए न केवल सामाजिक आंदोलन चलाया बल्कि उन्होंने यह बताया कि जब हम धार्मिक रूप से सम्पन्न तथा संगठित होंगे तब ही आर्थिक, सामाजिक तथा राजनैतिक रूप से सशक्त होंगे मुख्य वक्ता प्रो० गोपाल सिंह बछिरे (विभागाध्यक्ष बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा, विश्वविद्यालय) ने कहा कि बोधिसत्व बाबासाहेब का आंदोलन केवल व्यक्ति को सशक्त बनाने का नहीं बल्कि पूरे समाज की पहचान सशक्त एवं संगठित करने के लिए थी` भारत में हिंदूओं ने हमेशा बाबासाहेब का विरोध किया जबकि बाबासाहेब पिछड़े वर्गों के मानवीय अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे थे भारत का इतिहास बताता है कि भारत में बौद्धों तथा हिंदूओं में सदैव से संघर्ष होता रहा है किंतु शासन सत्ता हाथ में आते ही हिंदुओं ने बौद्धों को गुलाम तथा अस्पृश्य बनाने का कार्य किया जिसके लिए जातिवाद की उत्पत्ति करना सबसे बड़ा हथियार है आज पिछड़ा वर्ग को जातिवाद से निकलने के लिए बौद्ध धर्म के मार्ग पर चलना होगा तब जाकर हम हिंदुओं की गुलामी से स्वतंत्र तथा सशक्त हो सकते हैं` प्रो० आर०एन० खरवार (बी०एच०यू०) ने कहा कि लोकतंत्र में शासन सत्ता ही शासन के स्वरूप को निर्धारित करती है यदि शासक लोकतांत्रिक राष्ट्र में राजतंत्र की व्यवस्था के अनुसार कार्य करेगा तो अवश्य ही देश में आन्तरिक कलह की स्थिति उत्पन्न होगी जबकि बोधिसत्व बाबासाहेब ने विविधता भरे भारत में सभी वर्गों को समान रूप से अवसर उपलब्ध कराने का प्रावधान किया था जबकि हिंदू शासक द्वारा इसे राजतंत्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है प्रो० वी०बी० मलिक (विभागाध्यक्ष डॉ० अम्बेडकर वि०वि० लखनऊ) ने कहा कि राजनैतिक अधिकारों की सफलता तब ही हो सकती है जब हम सामाजिक रूप से संगठित होंगे सामाजिक रूप से संगठित होने के लिए वैचारिक समानता आवश्यक है और यह ऐसे धर्म से ही हो सकती है जो समानता की पोषक हो इस आधार पर बौद्ध धर्म ही शासक बनने का मूल आधार है प्रो० सुरेन्द्र राम (म०गा०का० विद्यापीठ) ने कहा कि बोधिसत्व बाबासाहेब ने शिक्षित बनो का नारा दिया किंतु शिक्षित होना का अर्थ केवल डीग्रियां प्राप्त करना नहीं बल्कि शिक्षा तब ही सार्थक हो सकती है जब उससे पूरे समाज की स्थिति में परिवर्तन हो विशिष्ट अतिथि के रूप में शैलेष सोलंकी, प्रकाश मकवाना, बकुलेश सोलकी, नवीन बघेला (वरिष्ठ समाजसेवी, गुजरात), इं०आर०के० सिंह (अधि0अभियंता पी0डब्ल्यू0डी०) डॉ० आर०एस० आनन्द (ए.सीएम.ओ.), प्रो०एस. के गौतम, प्रो०राजीव कुमार ,प्रो० पिताम्बर दास, प्रो० नवरत्न सिंह मा०गां०काशी विद्यापीठ, सुभाष चन्द्र बोस (जोनल अध्यक्ष एलआईसी), डॉ० अमृतांशु यूबीआई (वइक), डी०के० चौधरी (प्रबन्धक - यूपी बड़ौदा), डॉ० धर्मरश्मि गौतम (सारनाथ), ई० शिवानन्द भेल ,सुजीत कुमार (मण्डल महामंत्री) राजीव कन्नौजिया (मण्डल अध्यक्ष), जय प्रकाश भारती (प्र०अधि० राज्यकर विभाग) स्याम अवध प्रसाद (मा०शिक्षा) उपस्थिति रहे तथा बाबासाहेब के मिशन पर अपने वक्तत्व रखे और बोधिसत्व बाबासाहेब के आंदोलन पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रनिर्माण में बाबासाहेब द्वारा किये गये कार्यों पर चर्चा की विशिष्ट वक्तागण प्रो० शोभना नर्लिकर (बीएचयू), श्रद्धेय संतोष कुमार (वित्त एवं लेखाधिकारी), श्रद्धेय बाबूलाल खरवार (एसटीओ) प्रो० बृजेश अस्थवल, डॉ० राहुल राज (बीएचयू), प्रो० मनोहर राम, डॉ० मृगांक शेखर (संस्कृत विश्वविद्यालय), डा०अनिल कु०चौधरी, डॉ० कुन्ती आनन्द (एमडी0 वरुणा हॉस्पिटल), श्रद्धेय रामहरख चौधरी, श्रद्धेया शुभावती प्रबुद्ध ,डॉ० के०वी० आनन्द, अमर सिंह बीएलडब्ल्यू , प्रो०के०के० उजाला, प्रो0 नीतू खरवार, राम केवल राम,आर० डी० प्रसाद, राजीव कुमार, शोभनाथ, नन्दा प्रसाद, भैयालाल कन्नौजिया, कुँवरजीत इलाहाबादी ने कहा कि बोधिसत्व बाबासाहेब का मुख्य उद्देश्य था कि भारत का पिछड़ा वर्ग शिक्षित,आंदोलित तथा संगठित हो, लेकिन शिक्षा का यह स्वरूप बौद्ध समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए होना चाहिए नहीं तो शिक्षित व्यक्ति भी अपने समाज को मजबूत न करके उसे कमजोर बनाये जाने वाली व्यवस्था के एक अंग के रूप में मात्र एक कार्यकर्ता की भूमिका में होता है`आयोजन के अन्त में अतिथिगण द्वारा विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया उक्त अवसर पर श्रद्धेय मुन्नीलाल तथा सुनील कुमार बुद्धप्रिय द्वारा मिशन गीत द्वारा बोधिसत्व बाबासाहेब के जीवन तथा संघर्ष पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ० बृजेश कुमार भारतीय , डॉ० मेघांकर (महामंत्री जयंती समारोह समिति) ने करते हुए कहा कि बोधिसत्व बाबासाहेब का आंदोलन बौद्ध शासक राष्ट्र की स्थापना करके समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व एवं न्याय की स्थापना इस भारत में पुनः करना था` धन्यवाद ज्ञापन करते हुए श्रद्धेय लालचन्द राम (कोषाध्यक्ष-डॉ0 अम्बेडकर जयन्ती समारोह समिति) ने कहा कि बोधिसत्व बाबासाहेब के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित सभी व्यक्ति महत्वपूर्ण है क्योंकि बाबासाहेब का मिशन ही समाज तथा आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित कर सकता है।

वात्सल्य और वियोग रस को पराकाष्ठा तक पहुंचाया था अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध ने

हिन्दी साहित्य के दैदीप्यमान नक्षत्र, आधुनिक सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन, महान शायर और मशहूर रंगकर्मी कैफी आजमी और साहित्यरत्न शिव प्रसाद गुप्त जैसी साहित्यिक विभूतियों को अपने कोख से जनने तथा अपने ममतामयी आंचल तले पल्लवित और पुष्पित करने वाली कला, साहित्य और रंगकर्म की उर्वरा भूमि आजमगढ़ के निजामाबाद में 15 अप्रैल 1865 मे पैदा हुए अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔथ ने अपनी साहित्यिक प्रतिभा से वियोग, वात्सल्य और प्रकृति चित्रण को पराकाष्ठा पर पहुंचा दिया। आधुनिक भौतिकवादी युग तथा तेजी से पॉव पसारती उपभोक्तावादी संस्कृति के कारण वर्तमान दौर का मनुष्य विशुद्ध रूप से एक आर्थिक ईकाई बनता जा रहा है। ऐसे समय में लोक जीवन सामाजिक सरोकारों से कोसों दूर होता जा रहा है। लोक संवेदना और लोकाचार लगभग मृतप्राय होती जा रही है। हमारे घर-ऑगन वात्सल्य से भरी भावाभिव्यक्ति से महरूम होते जा रहे है। इसलिए ऐसे समय में सामाजिक सरोकारों, लोक सवेंदना को जीवंत करने और वात्सल्य रस से सराबोर साहित्यिक परिवेश निर्मित करने में अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध की रचनाएँ हमारे समाज का मार्गदर्शन कर सकती हैं। अपनी आर्थिक आवश्यकताओं और तेज गति से आर्थिक तरक्की के चक्रव्यूह में उलझे लोग लगभग मशीन बनते जा रहे हैं । जिसके फलस्वरूप बचपन, किशोरपन और यौवन अपेक्षित प्यार, दुलार, स्नेह और वात्सल्य से वंचित होता जा रहा है। वात्सल्य से वंचित बचपन तथा अपेक्षित प्यार और समुचित स्नेह से वंचित यौवन द्वारा सुनहरा, सुंदर, समरसता और समता ममता से भरा पूरा समाज नहीं बनाया जा सकता है। लगभग एक दर्जन बाल गीतों के रचयिता हरिऔथ ने अपनी साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से बाल मन की चंचलता और कोमलता को छूने का अद्वितीय प्रयास किया है। *नटखट कृष्ण कन्हैया के बालपन में जो डूबन और उतरन महाकवि सूरदास और सैयद इब्राहिम रसखान की रचनाओं में पाई जाती हैं वही डूबन और उतरन हरिऔथ के बाल गीतों में एक साधारण बालक के बालपन में पाई जाती हैं। " उठो लाल अब आँखें खोलो पानी लाई हूँ मुंह धो लो "जैसे जागरण गीतों के रचयिता हरिऔथ ने अपने बाल गीतों में वात्सल्य रस को बहुत ही सुन्दरता से पिरोया है।

गुप्त काल से लेकर अबतक भारत की समृद्ध साहित्य परम्परा में महाकाव्यो का विशेष स्थान और महत्व रहा है। आधुनिक काल में खडी बोली हिन्दी में पहला महाकाव्य " प्रिय प्रवास " लिखने का श्रेय अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔथ को जाता हैं। इस महाकाव्य की रचना के लिए हरिऔथ को मंगलाप्रसाद पारितोषिक से सम्मानित किया गया। मध्यकालीन और आधुनिक काल के हिन्दी कवियों की परम्परा में हरिऔथ ने भी अपनी रचनाओं में राम-सीता और राधा-कृष्ण को कविता की विषयवस्तु बनाया इसके साथ ही साथ आधुनिक समस्याओं को भी अपनी कविता का विषय बनाया। इस तरह हरिऔथ के काव्य सृजन में

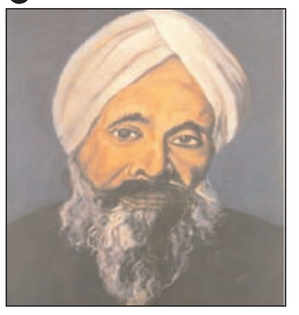

आधुनिकता और प्राचीनता का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। गोस्वामी तुलसीदास के विपरीत संस्कृत के आदि कवि बाल्मीकि ने जिस तरह मयार्दा पुरुषोत्तम राम को असभ्य अशिक्षित जनजातियों को शिक्षित प्रशिक्षित और सभ्य बनाने वाले एक आदर्श मानव के रूप में वर्णित किया है उसी तरह हरिऔथ ने योगीराज भगवान श्रीकृष्ण को ईश्वर अथवा एक लोक देवता के रूप में नहीं अपितु एक लोक सेवक और एक आदर्श मानव के रूप में वर्णित किया है। संस्कृत-काव्य शैली में हरिऔथ द्वारा रचित प्रिय प्रवास एक सुप्रसिद्ध महाकाव्य है। इसके अतिरिक्त रीतिकालीन अलंकरण शैली, आधुनिक काल की सरल हिन्दी शैली और ऊर्दू की मुहावरेदार शैली में हरिऔथ ने कई ग्रंथों और खंड काव्यों का प्रणयन किया जिसमें ठेठ हिन्दी के ठाठ, अधखिला फूल, प्रिय प्रवास, कवि सम्राट, रस-कलश, वैदेही-वनवास, रुक्मिणी परिण्य ,परिजात, चुभते चौपदे और हिन्दी भाषा का साहित्य और विकास जैसी रचनाओं से हिन्दी साहित्य को समृद्ध किया। हिन्दी, उर्दू, फारसी और अंग्रेजी के भाषा के जानकार हरिऔध ने साहित्य की विविध विधाओं में अपनी लेखनी चलाई परन्तु उनकी साहित्यिक सर्जनाओं में वियोग, श्रृंगार और वात्सल्य का अद्भुत संगम पाया जाता हैं। हरिऔथ की साहित्यिक सर्जनाओं की एक विशेषता यह भी कि- उन्होंने बाल मन मस्तिष्क को झंकरित करने के लिए दर्जनों बाल गीतों की रचना की। जिसमें बाल विभव, बाल विलास, फूल पत्ते,चन्द्र खिलौना, खेल तमाशा , उपदेश कुसुम, चॉद सितारे बाल गीतावली इत्यादि उनकी अमर कृतियाँ हैं। उनके बाल गीतों से हर बचपन आह्लादित हो उठता है। आधुनिक काल के इस महान साहित्यकार के जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

अपनी माटी के इस महान साहित्यिक सपूत को स्मरण कर तथा उनकी अमर साहित्यिक रचनाओं की निर्मल जलधारा में डुबकी लगा कर सामाजिक सरोकारों से परिपूर्ण, लोक संवेदना से सम्पन्न तथा वात्सल्य से सुसज्जित परिवेश वाला समाज बना सकते हैं। कवि, निबंधकार तथा उत्कृष्ट संपादक तथा हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा विद्यावाचस्पति की उपाधि से सम्मानित अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध की रचनाएँ आज भी बाल मन और वियोगी हृदयो को झंकरित करती रहती हैं। योगीराज कृष्ण के द्वारका चले जाने पर ब्रज क्षेत्र व्यथित और व्याकुल है। माता यशोदा द्वारा प्रगट व्याकुलता को हरिऔध ने अत्यंत सुहृदयता और सुन्दरता से लेखबद्ध किया है। हरिऔध की वियोग को समर्पित यह रचना साहित्यिक रूचि-रूझान वाले पाठकों का मन बरबस मोह लेती है।

प्रिय पति वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है?
दुःख जल निधि डूबी का सहारा कहाँ है?
लख मुख जिसका मै आज लौ जी सकी हूँ,
वह हृदय हमारा नैन तारा कहाँ है।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता
लेखक/ साहित्यकार/ उप सम्पादक कर्मश्री मासिक पत्रिका।

लैपटॉप और फोन से आंखों को बचाना है तो अपनाएं 20-20-20 रूल

बहुत ज्यादा देर तक लैपटॉप और फोन आदि की स्क्रीन पर काम करने या इन्हें देखने से आंखों को बहुत नुकसान पहुंचता है। इसकी वजह से डिजिटल आई स्ट्रेन की समस्या बहुत से लोगों में देखी जा रही है। आज के समय में तो ज्यादातर लोग लैपटॉप या फोन पर काम करते हैं। ऐसे लोगों की आंख

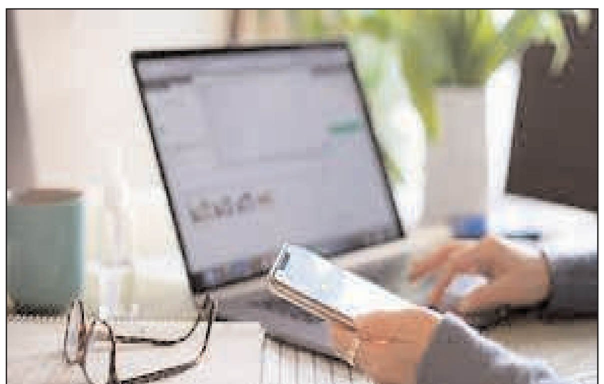

की रोशनी कमजोर होने का खतरा भी बहुत ज्यादा रहता है। आंखों को डिजिटल स्ट्रेन से बचाने के लिए और आंख की रोशनी खोने से बचाने के लिए 20-20-20 रूल का पालन करना बहुत फायदेमंद होता है।

क्या है 20-20-20 रूल– आंखों को डिजिटल आई स्ट्रेन से बचाने के लिए 20-20-20 रूल बहुत फायदेमंद होता है। 20-20-20 रूल में आपको लैपटॉप या मोबाइल का इस्तेमाल करते समय हर 20 मिनट का ध्यान रखना चाहिए। इसके तहत आप जब भी लगातार लैपटॉप या मोबाइल फोन पर काम कर रहे हैं तो हर 20 मिनट बाद एक ब्रेक लें और स्क्रीन पर बिलकुल न देखें। इस दौरान आप खुद को लैपटॉप या कंप्यूटर की स्क्रीन से 20 फीट दूर रखें। यह ब्रेक 20 सेकंड का होना चाहिए। इसके बाद आप दोबारा अपना काम शुरू करें और 20 मिनट के बाद फिरसे 20 सेकंड का ब्रेक लें। आंखों को नुकसान से बचाने के लिए स्क्रीन पर टकटकी लगाकर न देखें, स्क्रीन पर देखते समय अपनी पलकें जरूर झपकाएं।

डिजिटल आई स्ट्रेन के लक्षण– डिजिटल आई स्ट्रेन की समस्या में आपको कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसकी वजह से आपके आंख की रोशनी कम हो सकती हैं और ये समस्याएं होती हैं-

आंख से पानी आना
आंखों का सूखना
धुंधला दिखना
डबल विजन
सिरदर्द
कंधे और कमर में दर्द
अधिक रोशनी में देखने में दिक्कत
आंख खोलने में परेशानी

20-20-20 रूल फॉलो करने से आपकी आंखों को डिजिटल आई स्ट्रेन का खतरा कम हो जाता है। 20 सेकंड का ब्रेक लेने से आपकी आंखों को आराम मिलता है और हर 20 मिनट के बाद ऐसा करने से आपकी आंखें सुरक्षित होती हैं।

डॉ दिवाकर राय
बीयचएमयस,एम पी यच
एमए साइकोलॉजी
डी एम सी (डरमेटॉलॉजी एंड कॉस्मेटलॉजी जर्मनी)
डी यन (नुट्रिशन)
सी एम टी (टॉक्सक्योंलॉजी)

वाराणसी में हिन्दू राष्ट्र जागृति आंदोलन में हिन्दुत्वनिष्ठों की सरकार से संतप्त मांग!

हिन्दूबहुल भारत में श्रीरामनवमी की फेरियों पर आक्रमण करने वालों पर कठोर कार्यवाही हो तथा संयुक्त राष्ट्र संघ में वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाया जाए!

प्रखर वाराणसी। श्रीरामनवमी के उपलक्ष्य में आयोजित फेरियों पर अनेक राज्यों में कट्टरपंथियों द्वारा आक्रमण किए गए। हिन्दुओं के श्रद्धास्थान श्रीरामजी के धार्मिक उत्सवपर हुए भीषण आक्रमण अत्यंत गंभीर हैं। मुंबई, गुजरात, कर्नाटक, पशचिम बंगाल, मध्य प्रदेश, झारखंड, देहली इत्यादि राज्यों में श्रीरामनवमी के दिन हुआ आक्रमण यह एक सुनियोजित षड्यंत्र है । एक ही समय इतने स्थानों पर हिंसक घटनाएं कैसे घटीं इसके पीछे किसका हाथ है इन सभी घटनाओं की गहन जांच करने के लिए विशेष समिति का गठन करने एवं जांच में दोषी पाए गए लोगों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग लेकर हिन्दू जनजागृति समिति तथा अन्य संगठनों ने आज यहां के शास्त्री घाट, वरुणा पुल के निकट हिन्दू राष्ट्र जागृति आंदोलन किया।

इस समय हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री. मनीष पांडे तथा श्री. आनंद गोस्वामी, पहाड़िया व्यापार मंडल के महामंत्री श्री. अरविंद लाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री. चंद्रशेखर सिंह, श्री योग वेदांत सेवा समिति के श्री. विश्वनाथ सिंह, कसाबा ऑर्गेनिक, सारनाथ के श्री. अरविंद विश्वकर्मा तथा श्री. राज नारायण विश्वकर्मा, अखिल भारतीय सनातन समिति के डॉ. अजय जायसवाल, श्री. मुन्नू जायसवाल तथा श्री. छेदी जायसवाल, व्यापारी श्री. सुमित सर्राफ, हिन्दू जनजागृति समिति के श्री. राजन केशरी तथा अन्य उपस्थित थे । इन आक्रमणों से हिन्दुओं की धार्मिक भावनाएं आहत की गई, इसके लिए धारा 295 अ अंतर्गत अपराध प्रविष्ट कर संगठित होकर दंगे कर हिन्दुओं के लिए आतंकी वातावरण निर्माण करने के प्रकरण में, दंगे भडकाने के प्रकरण में भी दंगाईयों पर अपराध प्रविष्ट करने की मांग भी की गई।

विगत कुछ वर्षों से पाकिस्तान निवासी अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर आज के समय में अमानवीय अत्याचार हो रहे हैं एवं हिन्दुओं के धार्मिक स्थानों पर आक्रमण हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की हिन्दू लडकियों से लेकर बडे उद्योजकों तक के हिन्दुओं को चुन-चुन कर लक्ष्य बनाया जा रहा है । वहां की सरकार भी ऐसी घटनाओं को परोक्ष रूप से बल दे रही है। इसलिए पाकिस्तान के हिन्दुओं की रक्षा के लिए भारत सरकार को गंभीर कदम उठाने आवश्यक हैं।

इस पृष्ठभूमि पर की गई अन्य मांगें इस प्रकार हैं :-

1. जिन स्थानों की घटनाएं माध्यमों द्वारा प्रसारित नहीं की गई, ऐसे सर्व स्थानों में हुई हिंसा की तुरंत जांच की जाए।
2. सार्वजनिक संपत्ति की हुई क्षति की हानि-भरपाई दोषियों द्वारा वसूल की जाए।
3. भारत संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तानी हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों की घटनाएं प्रस्तुत कर पाकिस्तान पर वैशविक स्तर पर प्रतिबंध लाने के विषय में अथवा कार्यवाही करने के लिए मांग करे।
4. पाकिस्तान से व्यवसाय, यातायात इत्यादि के संबंध तोड कर उसपर प्रतिबंध लगाए।

खण्ड बड़ागांव के स्वयंसेवकों ने मनाई अम्बेडकर जयंती

प्रखर वाराणसी। स्थानीय न्यायपंचायत विरांव स्थित ग्राम साईपुर मे बाबा साहेब भीम राम अम्बेडकर स्थल ग्राम साईपुर मण्डल-विराव, खण्ड- बड़ागाव, काशी जिला के स्वयंसेवक वन्धु पावन पूनीत परिसर मे आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान व सामाजिक सद्भाव के शिल्पकार अम्बेडकर का हर्षो उल्लास के साथ बाबा साहेब का अवतरण दिवस मनाया इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी जिला के जिला प्रचारक डा सुरेश का सामाजिक समरसता भारतीय जीवन विचार मे समरस समाज की स्थापना सनातन पर्व परम्परा संस्कृति संस्कार सांस्कृतिक जीवन मूल्यो बाबा साहेब के जीवन संघर्षो पर गरिमामय उद्बोधन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम मे बड़ागाव खण्ड मे निवास करने वाले सभी दायित्व वान कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक धार्मिक कार्य कर्ता ग्राम वासी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से सह जिला कार्यवाह बृजभूषण, किसान संगठन से प्रवीण , खण्ड संघचालक प्रेम , खण्ड कार्यवाह शचिन्द्र , खण्ड शारीरिक प्रमुख रतनेश ,खण्ड सम्पर्क प्रमुख रवि, संघ विस्तारक नितिन , मोहित रंजन कार्यक्रम के आयोजक रमेश ग्राम प्रधान साईपुर और संचालन आनन्द प्रकाश संयोजक पर्यावरण काशी जिला द्वारा किया गया ।

346737 मतदाता बनाएंगे जिले के 12 निकायों की सरकार

बलिया। जिले के 12 निकायों के 125 मतदान केंद्रों के 423 मतदेय स्थलों पर 11 मई को मतदान होगा। 346737 मतदाता जिले के 12 निकायों की सरकार बनायेंगे। नगरीय निकायों के चुनाव की तारीख का एलान होने के बाद सियासी पारा बढ़ गया है। बहुप्रतीक्षित नगरीय निकाय चुनाव की तारीखों का एलान रविवार शाम हो गया। प्रदेश के 18 मंडलों के निकाय चुनाव दो चरणों में कराए जाएंगे। पहले चरण में लखनऊ,वाराणसी,गोरखपुर सहित 9 मंडलों में 4 मई को मतदान होगा और दूसरे चरण में शेष बचे मेरठ,अयोध्या,कानपुर, आजमगढ़ मंडल सहित 9 मंडलों में 11 मई को मतदान होगा। मऊ, आजमगढ़ और बलिया आजमगढ मंडल में शामिल हैं इसलिए यहां 11 मई को नगरीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे। 346737 मतदाता में से 186706 पुरुष मतदाता और 160031 महिला मतदाता हैं। दूसरे चरण के चुनाव के लिए 16 अप्रैल को सार्वजनिक सूचना जारी की जाएगी। 17 अप्रैल को अधिसूचना जारी करने के साथ ही नामांकन दाखिल करने का सिलसिला शुरू होगा। उम्मीदवार 24 अप्रैल तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 25 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 27 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 28 अप्रैल को चुनाव चिन्ह आवंटन होगा।

आग से रिहायशी छप्पर जल कर राख,गृहस्थी का सामान जला

नगरा, बलिया। थाना क्षेत्र के जूडनपुर राजभर बस्ती में शुक्रवार को दोपहर बाद अज्ञात कारण से एक रिहायशी छप्पर में आग लग गयी इससे हजारों रुपये मूल्य का सामान गेंहू , कपडा, बर्तन जल कर राख हो गया। इसी छप्पर से निकली चिन्गारी से 5 बीघा गेंहू की फसल भी जल कर राख हो गयी। ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया जा सका। हालाकि बाद में सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाडी पहुंची तब तक आग बुझ चुकी थी। रामलाल राजभर के रिहायशी छप्पर व टीन शेड के मकान में अचानक आग लग गयी। इससे उसमें रखा गृहस्थी का सारा सामान भी जल गया। तेज पछुआ हवा के कारण छप्पर धूं धूं कर जलने लगी। यही से निकली चिन्गारी ने बगल में स्थित खेत में खडी गेंहू की फसल को अपने आगोश में ले लिया।

बाजार में चढ़ने लगा है ईद का रंग, दुकानों में उमड़ रही है खरीदारों की भीड़

सिकन्दरपुर (बलिया)। रमजान उल मुबारक आखिरी दौर में है। शुक्रवार को रमजान का 22वां रोजा गुजर चुका है, अब शेष 8 दिन बाकी रह गए हैं। इसके साथ ही बाजार में ईद का रंग चढ़ने लगा है। बच्चे, बूढ़े, युवक, युवतियां व महिलाएं सभी ईद की तैयारी में जुट गई है। सुबह से देर रात तक दुकानों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। ईद को लेकर बाजार में लच्छा सेवई व इत्र-सुरमा, टोपी, कुरते की दुकानें सज गई है। दुकानों पर खरीदारों की काफी भीड़ देखी जा रही है। जैसे-जैसे ईद नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे लच्छा-सेवई, इत्र-सुरमा व टोपी की दुकानों में भीड़ बढ़ रही है। इन दुकानों के सजने से बाजार की रौनक और बढ़ गई है। कोई रेडिमेड कपड़ों की दुकानों में बच्चों के कपड़े खरीदने में व्यस्त है, तो कोई चप्पल-जूते की दुकानों में खरीदारी करने में जुटे है। युवा वर्ग जींस, टी-शर्ट व अन्य फैशन के कपड़े खरीदने में लगे है। वहीं टेलर की दुकानों में कपड़े सिलाने के लिए आपाधापी मची है। कपड़ों की दुकानों में सबसे अधिक भीड़ देखी जा रही है। बाजार में शरारा गरारा, मस्तानी सूट की धूम मची है। शेरवानी और कुर्ता भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। युवतियों की पहली पसंद शरारा शूट है। बच्चे पठानी सूट पर फिदा हैं। बच्चियां गरारा सूट पसंद कर रही है।

नगरा क्षेत्र में आंबेडकर जयंती की धूम

नगरा, बलिया। भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जयंती की क्षेत्र में धूम मची रही। विभिन्न राजनितिक दल के नेताओं ने जगह जगह आंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। ढेंकवारी गांव की ग्राम प्रधान सुनीता देवी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने बाबा साहेब के सिद्धांतों को आत्मसात करने पर बल दिया। नन्दू भाई, सोमारी राम, जंगबहादुर, रामबिलास राजभर, वीरेंद्र राम ने विचार रखे। संचालन संदीप भारती ने किया। भगमलपुर, जेठवार, डिहवां, ताडीबडागांव, कोठियां , इंदासों में भी आंबेडकर जयंती मनाई गयी। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुये।

हिंदी उर्दू साहित्य मंच द्वारा वरिष्ठ कवि श्रमिक नेता प्रभुनारायण पाण्डेय 'प्रेमी' जी को किया गया सम्मानित

प्रखर आजमगढ। हिंदी उर्दू साहित्य मंच द्वारा वरिष्ठ कवि श्रमिक नेता प्रभु नारायण पांडेय प्रेमी को उनके निवासघोरठ पहुंचकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर काव्य गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। सर्वप्रथम साहित्य मंच के अध्यक्ष शायर ताज आजमी ने वरिष्ठ कवि प्रेमी जी को बुके एवं मंच के संरक्षक प्रवक्ता महेंद्र मृदुल ने अंगवस्त्रम, कोषाध्यक्ष रोहित राही ने सम्मान पत्र एवं मंच के मुख्य संरक्षक संजय पांडे व महासचिव जय हिंद सिंह हिंद ने माल्यार्पण कर सम्मानित किया तत्पश्चात शायर ताज आजमी ने अपनी रचना पढ़ी -जख्म खाते रहे मुस्कुराते रहे दोस्ती दोस्तों से निभाते रहे। उद्योग विद्यालय में हिंदी के प्रवक्ता साहित्यकार मृदुल ने अपनी रचना, वो परवाना ही क्या जो समा से डर जाए।

चाहते इस कदर हो की हद से गुजर जाए।

जिंदगी और मौत में फासला बिल्कुल नहीं।

हौसला वो है जो मौत को भी पार कर जाए। सुना कर लोगों को सोचने मजबूर कर दिया। जय हिंद सिंह हिंद ने अपनी रचना पढ़ी । बात मन की सुनाने से क्या फायदा। हाल अपना बताने से क्या फायदा। देख कर जो तुम्हें अपना मुंह फेर ले। उससे दिल को लगाने से क्या फायदा। रोहित राही बयासी ने अपनी रचना पड़ी। जितना निर्मल मन है जिनका इतना सुंदर लिख पाया, तब जा के वो कवि रूप में इस दुनिया में दीख पाया। साहित्यकार पत्रकार संजय पाण्डेय ने बेरोजगारी पर अपनी रचना पढ़ी - आज हम भूख और बेरोजगारी से बेकार बैठे हैं ।उधर बच्चे जन्म लेने के लिए तैयार बैठे हैं। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि श्रमिक नेता श्री प्रेमी ने कहा कि साहित्य मंच ने जो हमारा सम्मान किया है उसके प्रति में आभार प्रकट करते हुए अपनी रचना पढ़ी । अपने जब अपने हो न सके,संसार हमारा क्या होगा सुना कर माहौल को गंभीर कर दिया। अंत में साहित्य मंच के मुख्य संरक्षक साहित्यकार पत्रकार संजय कुमार पांडे ने आए हुए कवियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि साहित्य मंच द्वारा बराबर साहित्यकारों कवियों को सम्मानित करने का काम करता है।

एक पखवाड़े से जला ट्रांसफार्मर, विभाग मौन

गड़वार (बलिया)। क्षेत्र के महमूदपुर गांव में लगा ट्रांसफार्मर एक पखवाड़े से जला हुआ है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। करीब एक हजार आबादी वाले इस गांव में 25 केवी वाले ट्रांसफार्मर के बार-बार जल जाने से ग्रामीण परेशान हैं। शिकायत के बावजूद अधिकारी बेफिक्र हैं। ग्रामीणों ने जेई से लगायत ट्रोल फ्री नम्बर पर शिकायत की गई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। गांव के नन्दलाल गुप्ता ने कहा कि शिकायत दर्ज कराने के पांच दिन बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने पर जेई से बात की गई। वे आज-कल करते रहे। बिजली व्यवस्था को लेकर सरकार तत्पर है। शासन का आदेश है कि जले ट्रांसफार्मर को 72 घंटे में बदल दिया जाए लेकिन विद्युत विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की उदासीनता के चलते उनका यह आदेश फलीभूत होता नहीं दिख रहा है। गांव के त्रिभुवन राजभर ने बताया कि हेल्पलाइन नम्बर पर शिकायत दर्ज करवाई गई है उसके बावजूद समस्या का निदान नही हो सका है। वहीं समय से बिल नही मिलने से लोग भुगतान भी नही कर पा रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि जेई की उदासीनता के चलते समय से रिपोर्ट नही लग पा रहा है जिसके कारण पखवाड़ा बीत जाने के बावजूद ट्रांसफार्मर नही लग सका।

निष्पादन वादों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का हुआ आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ से प्राप्त निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के तत्वावधान में एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के निर्देशन में आज दिनांक 15.04.2023 को आर्बिट्रेशन विशेष लोक अदालत के निष्पादन वादों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय गाजीपुर में किया गया। इस विशेष लोक अदालत में कुल 47 मामले निस्तारण हेतु नियत किये गये थे, जिनमें से कुल 15 मामले अन्तिम रूप से निस्तारित किये गये। जिसमें श्री संजय कुमार यादव-क अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0-3 गाजीपुर के द्वारा 15 वादों का निस्तारण अन्तिम रूप में किया गया। कामायनी दूबे, पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर द्वारा जनपद न्यायालय के कर्मचारीगण, अधिवक्तागण तथा प्रशासन के प्रति अपना धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं आशा व्यक्त की गयी कि वे इसी प्रकार से आगामी आर्बिट्रेशन विशेष लोक अदालत में अपना सहयोग प्रदान करेगें।

गंगोत्री देवी इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाई गई डॉ० भीमराव अंबेडकर की 132वी जयंती

सिकन्दरपुर (बलिया)। सामाजिक समरसता दिवस पर नगर के गंगोत्री देवी इंटर कॉलेज में शुक्रवार को डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ नरेंद्र प्रसाद गुप्ता व प्रधानाचार्य राजेश प्रसाद ने डॉ अंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ नरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि डॉ० अंबेडकर को विश्व भर में उनके मानवाधिकार आंदोलन, संविधान निमार्ता और उनकी प्रकांड विद्वता के लिए जाना जाता है। कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन भारतीय समाज में व्याप्त जाति-व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष में बिता दिया। प्रधानाचार्य राजेश प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर का पूरा जीवन संघर्ष, सत्यनिष्ठा, लगन व वंचित वर्ग के प्रति करुणा का प्रतीक है। इस दौरान विद्यालय के अध्यापकों ने भी अपने संबोधन के माध्यम से डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए छात्र छात्राओं को उनके आदर्शों को अपने जीवन में समाहित व अपनाने का अपील किया। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

बलिया। 14 अप्रैल दिवस संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर की 132 वी जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि आजादी के बाद भारत में सभी को समानता का अधिकार मिले। इसके लिए संविधान सभा का गठन किया गया और उसमें प्रारूप समिति का अध्यक्ष डॉ अंबेडकर को बनाया गया। अंबेडकर की ही देन है कि आज हम सभी को बराबरी का दर्जा प्राप्त है और भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। आज विश्व के अन्य देश भारत के लोकतंत्र से शिक्षा लेते हैं और अपने यहां भी भारत जैसा लोकतंत्र स्थापित करने का प्रयास करते हैं। भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान हमें दिया उसके लिए हम भारतवासी हमेशा उनके आभारी रहेंगे और यदि हम डॉ अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहते है तो उनके बनाए संविधान के प्रति आस्था और विश्वास बनाए रखें और उसका पालन करें। यही हमारी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। अपर जिला अधिकारी बलिया ने कहा कि हमें डॉ अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनका जीवन संघर्ष हमें यह शिक्षा देता है कि हमें किसी भी परिस्थिति में हार नहीं माननी चाहिए और अपने लक्ष्य के प्रति हमेशा प्रयत्नशील रहना चाहिए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट, मुख्य राजस्व अधिकारी, उप जिलाधिकारी सर्वेश यादव तथा कलेक्ट्रेट के कर्मचारी गण उपस्थित थे।

जिला सूचना कार्यालय में धूमधाम से मनायी गयी डॉ0 भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती

बलिया। डॉ0 भीमराव अंबेडकर की 132वीं जयंती शुक्रवार को जिला सूचना कार्यालय में मनायी गयी। साथ ही जिला सूचना अधिकारी श्री अनुराग रंजन द्वारा डॉ0 भीम राव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। श्री अनुराग रंजन ने कहा कि डॉ0 भीम राव अम्बेडकर ने संविधान के निमार्ता, दलितों के मसीहा और मानवाधिकार आंदोलन के प्रकांड विद्वता थे। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपने जीवन के 65 सालों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, औद्योगिक, संवैधानिक आदि क्षेत्रों में अनगिनत कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कई ऐसे काम किए, जिन्हें आज भी हिंदुस्तान याद रखता है। इस कार्यक्रम में प्रधान सहायक फजलुर्रहमान, कम्प्यूटर ऑपरेटर अरुण कुमार, देशदीपक यादव, प्रभुनाथ, उदित नारायण सिंह, हरिश चन्द्र, अभिषेक सिंह आदि उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान तथा आदर्शों पर चलना हमारे लिए गर्व की बात : गुलाबचंद

बलिया। कलेक्ट्रेट परिसर कार्यालय में स्थित अंबेडकर पार्क मे डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर जिला कोषागार बलिया के डिप्टी कैशियर गुलाबचंद तेजाजी ने कहा कि आज भी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संविधान तथा आदर्शों पर चलना हमारे लिए गर्व की बात है। डॉ. अम्बेडकर की 132 वीं जयंती पर उनके आदर्शों पर चलना तभी अंबेडकर जी के सपनों का साकार होगा। जब सम्पूर्ण भारत वर्ष के लोग चले।कुछ लोग भटक चुके हैं अपने स्वार्थ के लिए लेकिन यह गलत है। डॉ.अंबेडकर का इतिहास के पन्नों पर महत्त्व आज भी है और कल भी रहेगा भारत के संविधान लिखने वाले बाबा साहब अंबेडकर की जितनी तारीफ करें उतना ही कम है। सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब उनकी बातों को दिल में बैठा कर और उनके बताए हुए मार्ग पर चलना होगा। लेखपाल संघ के अध्यक्ष निर्भय नारायण सिंह ने भी अपनी बातों को बाबा साहब के सपनों को साकार करने के लिए और उनके मार्ग दर्शन पर चलने की बात कही।

संक्षिप्त खबरें

जी 20 सम्मेलन का पहला जत्था पहुंचा वाराणसी मछलीशहर सांसद के साथ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष किसान मोर्चा ने किया भव्य स्वागत

प्रखर वाराणसी। जी 20 सम्मेलन का पहला जत्था वाराणसी पहुंचा जहां पर उनका भव्य स्वागत किया गया। बता देगी जी 20 सम्मेलन का भव्य कार्यक्रम वाराणसी में आयोजित होने जा रहा है। जिसको लेकर तैयारियां जोरों पर है और कार्यक्रम में तमाम विदेशी मेहमानों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। जी 20 सम्मेलन में पहला जत्था काशी लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पहुंचा, जहां पर मछली शहर के सांसद/ चेयरमैन लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट बीपी सरोज, एयरपोर्ट डायरेक्टर, सानियाल सीआईएसफ, एसडीएम तहसीलदार और साथ शैलेश पांडे प्रोटोकॉल प्रभारी भाजपा /उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा काशी क्षेत्र जोरदार ने जोरदार स्वागत किया।

छुट्टी के बाद बैग से सिर ढक घर जाने को विवश छात्र

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अप्रैल माह में मई जैसी तपिश भरी गर्मी के बीच छात्रों को छुट्टी के बाद घर जाना किसी जंग से कम नही है। खासकर परिषदीय विद्यालयों के छात्र छात्राएं जो एक से डेढ़ किमी पैदल दूरी तय कर स्कूल आती जाती है। जनपद के परिषदीय विद्यालयों के स्कूल टाइमिंग 8 बजे से 2 बजे तक है। लेकिन 2 बजे तापमान भी अपने चरम पर रहता है। बच्चो को उसी तापमान के बीच घर जाना होता है। उस समय को नंगे पांव तो कोई चप्पल पहने रहते हैं। शनिवार को भी पिंडरा ब्लॉक के एक स्कूल से छात्र छुट्टी के बाद अपने सिर को ढकने का प्रयास कर तपिश से बचने के जद्दोजहद में दिखे, तो कुछ बैग को ही अपने सिर पर रख लिया था और लू व तपिश के बीच भाई बहन घर जाते दिखे। इस बाबत अभिभावकों ने भी तपिश को देखते हुए स्कूल समय बदलने की मांग की। वही प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सकलदेव सिंह व मंत्री शैलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी व बीएसए महोदय को पत्र के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों के छात्रों की समस्या से अवगत करा दिया गया है।

बृहस्पति फाउंडेशन व मीरा एजुकेशनल सॉसायटी के संयुक्त तत्वावधान में अम्बेडकर जयन्ती मनाई गई

प्रखर वाराणसी। बृहस्पति फाउंडेशन व मीरा एजुकेशनल सॉसायटी के संयुक्त तत्वावधान मे अम्बेडकर जयन्ती मनाया गया। बृहस्पति फाउंडेशन के अमित प्रजापति ने बताया कि बाबा साहेब अम्बेडकर जी दलित,शोषित,वंचित के मसीहा माने जाते है। जीवन भर जाति के नाम सहा अपमान फिर भी रच डाला देश का संविधान पूरी दुनिया के लिए पथ प्रदर्शक बाबा साहेब को कोटि-कोटि प्रणाम। मीरा एजुकेशन सॉसाययटी के तरह से हिमांशु सिंह ने लोगों को मौलिक अधिकार के बारे मे बताया। इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से अमित प्रजापति , आंचल सिंह ,रेनू पांडेय ,छाया राजभर ,आर्ची पांडेय ,आशा पांडेय , सोनाली प्रजापति ,रोहित सोनी ,रजत ,आलोक रंजन आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्णकालिक सचिव द्वारा जिला जेल का किया गया निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में आज दिनांक 15.04.2023 को जिला कारागार, गाजीपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर की पूर्णकालिक सचिव, कामायनी दूबे द्वारा जेल का निरीक्षण किया गया। बंदियों से निःशुल्क अधिवक्ता, जेल लोक अदालत तथा उनकी जेल अपील से संबंधित अन्य समस्याएं पूछी गयी एवं उनके यथोचित अधिकार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया तथा बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस दौरान जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि वर्तमान में कुल 1047 बंदी निरूद्ध है, जिसमें 914 पुरूष, 45 महिला व 88 अल्पवयस्क है। सुबह का नाश्ता-चना, चाय व दोपहर का भोजन-रोटी, चावल, अरहर की दाल, सब्जी (आलू, पत्ता गोभी) तथा शाम का भोजन-रोटी, चावल, चना की दाल, सब्जी (आलू, बैगन) तथा सायं चाय, बिस्कुट। सचिव द्वारा पुरूष एवं महिला बैरक का भी निरीक्षण किया गया तथा जेल के कई बंदियों से बात कर उनकी समस्याओं को समझने के साथ ही उनके निस्तारण का निर्देश दिया। सचिव ने कारापाल को जिला कारागार में स्थित जेल लीगल क्लीनिक पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए ताकि जेल में निरूद्ध बंदियों को समय से व समुचित विधिक सहायता प्राप्त हो सके। कारागार परिसर में साफ-सफाई के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर कारापाल श्री रविन्द्र सिंह यादव उपस्थित रहे।

पाक में सड़क दुर्घटना चार लोगों की मौत

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाक के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुई एक सड़क दुर्घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, तीन अन्य घायल हो गए और कई लापता बताए गए हैं। मीडिया ने बताया कि दुर्घटना ऊपरी कोहिस्तान इलाके में गुरुवार रात एक यात्री वैन के खड्ड में गिरने से हुई। वैन में 12 से अधिक लोग सवार थे। इस हादसे में घायल हुए वैन चालक समेत तीन लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ईरान में अचानक आई बाढ़ में तीन लोगों की मौत

तेहरान, (एजेंसी)। ईरान के पश्चिमी क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा से अचानक आई बाढ़ से पिछले 24 घंटों में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। ईरान के राहत एवं बचाव संगठन के उप प्रमुख मोर्तेजा मोरादिपोर ने बताया कि यहां कई दिनों से सतत बारिश होने से अचानक बाढ़ आ गई, जिसमें करीब तीन लोगों की मौत हो गई। यहां पर बचाव कार्य जारी है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर बने अस्थायी शिविरों में पहुंचाया जा रहा है।

रूस ने अमेरिकी नागरिकों को 1,000 वीजा जारी किए

मॉस्को, (एजेंसी)। रूस ने 2023 की पहली तिमाही में यूएस नागरिकों को 1,000 वीजा जारी किये, जिनमें ज्यादातर निजी व पर्यटक वीजा थे। रूसी विदेश मंत्रालय के दूतावास विभाग के निदेशक एलेक्सी क्लिमोव ने कहा कि पहली तिमाही में, यूएस नागरिकों को लगभग 1,000 वीजा जारी किए थे, जिनमें से अधिकांश पर्यटक व निजी वीजा थे। कारोबार वीजा के लिए बेहद कम मांग देखी और केवल कुछ दर्जन कारोबार वीजा जारी किए गए हैं।

रूस की संपत्ति फ्रीज करना अनुचित कदम : मॉस्को

मॉस्को, (एजेंसी)। रूस ने शुक्रवार को कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि देश की संपत्तियों को फ्रीज करने को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जायज ठहराना पश्चिम के असंभव है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि अब, यह स्पष्ट हो गया है कि हमारी संपत्ति को अंतरराष्ट्रीय कानून के मानदंडों में अवरुद्ध करने के लिए सामूहिक पश्चिम (देशों) की इन कार्रवाइयों को रखना असंभव है। उनके सभी कार्य अभी भी अवैध दिखते हैं।

जापान में पहला केसिनो खोलने की योजना मंजूर

टोक्यो, (एजेंसी)। जापानी अफसरों ने देश में पहला जुआ रिसॉर्ट बनाने की विवादास्पद योजना को मंजूरी प्रदान की है, यह परिसर 2029 में पश्चिमी शहर ओसाका में खुलेगा। यह जानकारी बीबीसी ने शुक्रवार को दी। जापान में कैसीनो लंबे समय से अवैध रहा है लेकिन 2018 में एक कानून पारित किया गया जिसमें नौकरियां उत्पन्न करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पोकर या बैकरैट जैसे खेलों को अपवाद बनाया गया था।

आज का इतिहास

- 1452: इटली के महान चित्रकार लिओनादो द विंची का जन्म।
- 1469: सिख धर्म के संस्थापक गुरू नानक का जन्म
- 1689: फ्रांस ने स्पेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1817: अमेरिका में बधिर बच्चों के लिए पहला स्कूल खोला गया।
- 1895: बाल गंगाधर तिलक ने राजगढ किले में शिवाजी उत्सव का उद्घाटन।
- 1923: डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए इन्सुलिन बाजार में उपलब्ध हुआ।
- 1927: स्विट्जरलैंड व सोवियत संघ राजनयिक संबंध बनाने पर सहमत
- 1948: हिमाचल प्रदेश राज्य की स्थापना हुई।
- 1966: चित्रकार नंदलाल बोस का निधन।
- 1994- डब्ल्यूटीओ की स्थापना के बाद 123 देशों ने इसके समझौते पर हस्ताक्षर किए।

पूरा उत्तरी चीन धूल भरे तूफान से ढका

बीजिंग। पूरा उत्तरी चीन इन दिनों धूल भरी आंधी से ढक गया है। चीन के अलावा थाइलैंड, साउथ कोरिया और जापान में भी इसका असर देखा गया। चीन और मंगोलिया स्थित गोबी रेगिस्तान से ये धूल उड़ रही है। हर तरफ धुंध छाई रही। दक्षिण कोरिया के सभी हिस्सों में धूल से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की गई है साथ ही बुजुर्गों और बच्चों को घर से बाहर निकलने के लिए मास्क इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। धूल भरी इस आंधी से सांस संबंधी समस्याओं में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

नॉर्थ कोरिया ने किया हवासोंग-18 का टेस्ट

प्योंगयांग ■ एजेंसी

तानाशाह ने पत्नी-बेटी के साथ देखा

नॉर्थ कोरिया ने अपनी अब तक की सबसे पावरफुल मिसाइल को टेस्ट किया है। सॉलिड फ्यूल वाली इंटर कॉन्टिनेंटल मिसाइल के सफल परीक्षण को वहां के स्टेट मीडिया में चमत्कारी बताया जा रहा है। मिसाइल टेस्टिंग का कितना असर हुआ इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके परीक्षण के दौरान जापान के उत्तरी इलाके से लोगों को निकाला जाने लगा। वहीं, जापान के होकाएडो में स्कूल देरी से शुरू किए गए, कुछ ट्रेनों के समय में भी बदलाव किया गया।

तेजी से हमला करने में माहिर होगी नई मिसाइल हवासोंग-18: इस मिसाइल परीक्षण के दौरान नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किमजोंग उन अपनी बेटी, पत्नी के साथ मौजूद रहे। नॉर्थ कोरिया ने अपनी अब तक की सबसे पावर फुल मिसाइल को हवासोंग-18 नाम दिया है। टेस्टिंग के दौरान इसने 1000 किलोमीटर तक की उड़ान भरी। मिसाइल में लिक्विड यानी तरल ईंधन की बजाय सॉलिड फ्यूल का इस्तेमाल किया गया था।

सॉलिड फ्यूल वाली मिसाइलों को तेजी से किया जा सकता है फायर

सॉलिड फ्यूल पर चलने वाली मिसाइलें ज्यादा सुरक्षित होती हैं। इन्हें तेजी से तैनात किया जा सकता है। दरअसल, लिक्विड फ्यूल वाली मिसाइलों में लॉन्च से ठीक पहले ही ईंधन भरना पड़ता है जिसमें काफी घंटे लगते हैं। वहीं, सॉलिड फ्यूल वाली मिसाइलों को तेजी से फायर किया जा सकता है, जिससे उन्हें इंटरसेप्ट करना यानी उन्हें डिटेक्ट कर रोकना मुश्किल होता है। मिसाइल के सफल टेस्ट के बाद नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने कहा कि इससे हमारे दुश्मनों में डर पैदा होगा। ये मिसाइल टेस्टिंग नॉर्थ कोरिया के तानाशाह ने दादा किम इल सुंग के जन्मदिन से दो दिन पहले किया है। मिसाइल परीक्षण के दौरान किम जोंग उन अपनी बेटी के साथ जापान, साउथ कोरिया और अमेरिका ने मिसाइल टेस्ट को भड़काऊ बताया नॉर्थ कोरिया इस साल अब तक 27 मिसाइलों का टेस्ट कर चुका है।

अतीक ने ज्यादातर सवालों के जवाब हां और हूं में दिए

प्रयागराज के धूमनगंज थाने में अतीक-अशरफ से पूछताछ

अतीक ने बेटे के जनाजे में जाने के लिए मिन्नतें कीं, लेकिन नहीं मिली अनुमति

प्रयागराज ■ ब्यूरो

अतीक अहमद और उसके छोटे भाई अशरफ से गुरुवार देर रात पुलिस ने पूछताछ शुरू की। रात 10.30 बजे के बाद दोनों को प्रयागराज के धूमनगंज थाने लाया गया। यहां दोनों को आमने-सामने बोरे पर बैठाकर पूछताछ की गई। दोनों को अभी धूमनगंज पुलिस थाने में ही रखा गया है। इंटेरोगेशन में अतीक बार-बार एनकाउंटर में मारे गए बेटे असद के जनाजे में शामिल होने की मिन्नतें करता रहा। अतीक ने पुलिस अफसरों से बेटे की तस्वीर भी दिखाने को कहा। हालांकि पुलिस पूरी तरह पूछताछ पर फोकस रही, क्योंकि माफिया की सिर्फ चार दिन की रिमांड ही पुलिस को मिली है।

200 सवालों की फेहरिस्त

पुलिस के 200 सवालों के सामने माफिया कभी असहज और कभी उग्र नजर आया। ज्यादातर सवालों का जवाब देने से कतराता रहा। केवल हां, हूं में जवाब देता रहा। हालांकि बार-बार सवाल पूछने पर उसने कई बार जांच अधिकारियों को आंखें भी दिखाई। जिस धूमनगंज थाने में अतीक-अशरफ को रखा गया है। वहां बाहर बैरिकेडिंग की गई है। उस रोड को सील कर दिया गया है।

असद के जनाजे की तैयारी पूरी, ताबूत मंगवाया

अतीक अहमद के चकिया स्थित घर पर मोहल्ले की महिलाएं इकट्ठा हो चुकी हैं। घर को सरकार गिरा चुकी है। वहां खंडहर है। असद के जनाजे की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। ज्यादातर महिलाएं आसपास की हैं, लेकिन परिवार-रिश्तेदार वहां मौजूद नहीं हैं। असद को कसारी-मसारी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। यहां उसके पुरखों की कब्र भी है। हालांकि दोपहर 2.30 बजे तक असद और गुलाम का शव झांसी में ही पोस्टमॉर्टम हाउस में रखा हुआ है। वहां बाहर पुलिस का कड़ा पहरा है। अभी असद-गुलाम के परिवार का कोई भी सदस्य वहां नहीं पहुंचा है। चर्चा है कि पुलिस खुद शव को लेकर प्रयागराज आएगी।

ब्रह्मोस के पूर्व इंजीनियर को मिली जमानत

मुंबई ■ एजेंसी

आईएसआई के लिए जासूसी करने का लगा था आरोप

बम्बई हाईकोर्ट ने पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में 2018 में गिरफ्तार ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्रा.लि. के एक पूर्व इंजीनियर को जमानत दे दी।

कोर्ट ने कहा कि आरोपी इंजीनियर लगभग पांच साल से जेल में है और मामले की सुनवाई जल्द पूरी होने की संभावना नहीं है। न्यायमूर्ति अनिल किलोर की एकल पीठ ने तीन अप्रैल को आरोपी निशांत अग्रवाल को जमानत देते हुए यह भी कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे पता चलता हो कि आरोपी ने कथित कृत्य जानबूझकर किया था। हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने अग्रवाल द्वारा दायर जमानत के अनुरोध वाली याचिका को इस आधार पर स्वीकार कर लिया कि मुकदमे में कोई प्रगति नहीं हुई है और वह चार साल और छह महीने से जेल में है। पीठ ने आरोपी को 25,000 रुपए का निजी मुचलका भरने और मुकदमे की समाप्ति तक सप्ताह में तीन बार नागपुर पुलिस थाने में हाजिरी देने का निर्देश दिया। नागपुर में कंपनी के मिसाइल केंद्र के तकनीकी अनुसंधान अनुभाग में कार्यरत अग्रवाल को अक्टूबर 2018 में सैन्य खुफिया और उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र के आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) के एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया था। ब्रह्मोस के पूर्व एयरोस्पेस इंजीनियर पर भारतीय दंड संहिता और कड़े आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोपी अग्रवाल ने चार साल तक ब्रह्मोस में काम किया था और उन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस' (आईएसआई) को संवेदनशील तकनीकी जानकारी देने का आरोप है।

बिहार में विपक्षी दलों की एकता के प्रयासों पर भाजपा की पैनी नजर

पटना ■ एजेंसी

राजनीति

लोकसभा चुनाव को लेकर लगभग सभी दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद में जुटे हैं। इस दौरान सीएम की कांग्रेस के अलावे कई अन्य दलों के नेताओं के साथ बैठक भी हो चुकी है। इधर, भाजपा की नजर विपक्षी दलों की एकजुटता और छोटे दलों पर है।

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए बिहार में भाजपा पहले से ही तैयारी शुरू कर चुकी है, लेकिन नीतीश कुमार की सक्रियता के बाद भाजपा ने भी अपनी गति तीव्र कर दी है। जदयू के एक नेता का कहना है सभी विपक्षी दलों की राय एक है कि बिना एकजुट हुए भाजपा से मुकाबला करना आसान नहीं है। ऐसे में एकजुटता को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। वैसे, एक ओर जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकजुटता को लेकर दिल्ली में थे वहीं बिहार में सत्ताधारी महागठबंधन में शामिल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने दिल्ली पहुंच गए।

जी20 देशों ने भारत के कई प्रस्तावों का किया समर्थन

बैठकों से निकले 6 निष्कर्ष : वित्त मंत्री

वाशिंगटन, (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि जी 20 देशों ने भारत के अनेक प्रस्तावों का समर्थन किया है और इनको लेकर सक्रिय वार्तालाप हो रहा है। जी 20 वित्त मंत्री एवं केन्द्रीय बैंक गवर्नरों की दो दिवसीय बैठक के बाद श्रीमती सीतारमण ने जी20 देशों के अपने अनेक समकक्षों के साथ एक एक कर मुलाकात के बाद यह बात कही।

भारत को पिछले साल दिसंबर में जी20 की अध्यक्षता मिली थी और सितंबर की शुरुआत में उसके नई दिल्ली में नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की योजना है। जी20 विश्व की 20 प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक महत्वपूर्ण संगठन है। श्रीमती सीतारमण ने गुरुवार को वॉशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सालाना वसंत बैठकों से इतर जी20 देशों के अपने समकक्षों से भेंट की।

उन्होंने कहा कि हमें यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि भारत के ज्यादातर प्रस्तावों को अच्छा समर्थन मिला है। और उन्हें लेकर सक्रिय जुड़ाव हो रहा है। बहुपक्षीय विकास बैंकों में सुधार का मुद्दा भी अहम है जो एक भारतीय पहल है, उसे बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

पीएफआई व लश्कर को दी थी ईश्वरप्पा को मारने की सुपारी

बेलगावी, (एजेंसी)। कर्नाटक भाजपा के नेता केएस ईश्वरप्पा पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के निशाने पर थे। ये खुलासा गैंगस्टर जयेश पुजारी ने करते हुए बताया कि कट्टरपंथी समूह कथित तौर पर उन्हें मारने की योजना बना रहे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार गैंगस्टर ने कर्नाटक के बेलागवी में अपने एक सहयोगी को भाजपा नेता को मारने के लिए सुपारी भी दी थी। इस खुलासे पर केएस ईश्वरप्पा ने कथित तौर पर कहा कि वह किसी भी धमकी से नहीं डरते। उन्होंने कहा कि वह भारत माता को बचाने की दिशा में काम करते हैं और देशभक्त हैं डरते नहीं हैं। गौरतलब है कि ईश्वरप्पा ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है।

ईश्वरप्पा ने खुद को बताया हिंदुत्वादी- उन्होंने खुद को हिंदुत्ववादी करार देते हुए कहा कि कोई भी हिंदुत्व को नहीं मार सकता है। जल्द ही होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले ईश्वरप्पा ने हाल ही में घोषणा की कि वह इस साल चुनाव नहीं लड़ेंगे।

अमरनाथ यात्रा का पंजीयन 17 से शुरू

श्रीनगर, (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के लिए सरकार ने शेड्यूल जारी कर दिया है। इस साल एक जुलाई से यात्रा शुरू होगी और 62 दिनों तक चलेगी। यात्रा के लिए 17 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ही जम्मू-कश्मीर को लेकर सुरक्षा की समीक्षा की थी। इस बैठक में केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक के एक दिन बाद यात्रा की घोषणा की गई है। एलजी ने कहाः उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को पवित्र तीर्थ यात्रा और रजिस्ट्रेशन की तारीखों की घोषणा करते हुए कहा कि प्रशासन सुचारू और परेशानी मुक्त तीर्थ यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ऑक्सीजन संसाधनों से पूर्ण चीनी अंतरिक्ष स्टेशन

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन की समानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजना की पर्यावरण नियंत्रण और जीवन सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से आपूर्ति प्रकार से पुनयोर्जी प्रकार में बदल चुकी है। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन में ऑक्सीजन संसाधन 100 प्रतिशत पुनर्जीवित है और जल संसाधन के संचलन की डिग्री 95 प्रतिशत से अधिक है।

जल संसाधन के संचलन की डिग्री 95 फीसदी से अधिक

मुख्य तकनीकी सूचकांक दुनिया के आगे हैं। बताया जाता है कि पर्यावरण नियंत्रण और जीवन सुरक्षा व्यवस्था अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में रहने की बुनियादी स्थिति और काम करने का उचित वातावरण तैयार करती है, ताकि अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य और जीवन सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अंबेडकर सर्किट पर भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन रवाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंबेडकर सर्किट पर भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को पर्यटन, संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने शुक्रवार को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से झंडी दिखाकर रवाना किया।

केंद्रीय मंत्री रेड्डी व वीरेंद्र कुमार ने दिखाई हरी झंडी

इस अवसर पर जीके रेड्डी ने कहा कि भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का उद्देश्य सभी यात्रियों को भारत रत्न बाबा साहेब अम्बेडकर के जीवन की झलक दिखाना है। मंत्री ने कहा कि ट्रेन का उद्देश्य घरेलू पर्यटन और भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने केवल भारत में बल्कि लंदन में भी बाबासाहेब अम्बेडकर से संबंधित स्थलों को विकसित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने आज की दुनिया में बाबासाहेब अंबेडकर के आदर्शों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं।इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि 'देखो अपना देश' के तहत एक भारत श्रेष्ठ भारत को बढ़ावा देने के लिए भारत गौरव ट्रेन एक प्रभावी कदम है।

विदेश नीति भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर तीन दिन के दौरे पर मोजाम्बिक में

मेड इन इंडिया ट्रेन में बैठे विदेश मंत्री

मापुटो, (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ईस्ट अफ्रीकी देश मोजाम्बिक पहुंचे। यहां उन्होंने मेड इन इंडिया ट्रेन में सफर किया। इस दौरान उनके साथ मोजाम्बिक के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर माटेउस मागला और रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस के मालिक राहुल मित्तल भी मौजूद रहे। जयशंकर मोजाम्बिक की यात्रा करने वाले भारत के पहले विदेश मंत्री हैं।

बुजी ब्रिज का वर्चुअली उद्घाटनः यात्रा के दौरान जयशंकर ने मोजाम्बिक में भारत द्वारा बनाए गए बुजी ब्रिज का वर्चुअली उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- ये द्विपक्षीय एकजुटता और दोस्ती का सबसे बड़ा उदाहरण है। ये पुल 670 मीटर लंबा है जो बुजी नदी पर बना हुआ है। ये 132 किलोमीटर लंबी टिका-बुजी-नोवा-सोफाला रोड परियोजना का हिस्सा है। साल 2018 से इस परियोजना पर काम जारी है। इसकी लागत 118 मिलियन अमेरिकी डॉलर, यानी करीब 962 करोड़ रुपए है।

भारत का लक्ष्य- दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी बढ़ाना

पीसी के दौरान उन्होंने पिछले साल मोजाम्बिक विधानसभा के अध्यक्ष एस्पेरांका बियास की भारत यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा- तब दोनों देशों के नेताओं के बीच राजनीतिक और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी थी। उन्होंने मुझसे द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ाने के लिए कहा था। मैं अगले दो दिन यही करने वाला हूं। विदेश मंत्री ने कहा कि इस यात्रा की बहुत अच्छी शुरुआत हुई है और मुझे यकीन है कि अगले कुछ दिनों में कई और महत्वपूर्ण बातचीत होगी। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर युगांडा के दौरे पर थे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी सहित देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत की थी। दोनों देशों के नेताओं के बीच व्यापार, बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा हुई थी।

सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण

हैदराबाद, (एजेंसी) तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को डॉ भीमराव अंबेडकर के पौत्र प्रकाश अंबेडकर के साथ संविधान निर्माता की 125 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया।

महंगाई से मिल सकती है राहत

गैस स्टोव, पेन, टूथ पेस्ट, कंप्यूटर समेत सस्ती हो सकती हैं कई वस्तुएं

नई दिल्ली। सरकार चुनावी साल में जीएसटी की दरों में बदलाव कर आम आदमी को राहत देने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार जीएसटी की फिटमेंट कमेटी ने दरों को कम करने पर विचार और चर्चा शुरू कर दी है। उन चीजों पर जीएसटी की दरें कम किए जाने को प्राथमिकता दी जाएगी, जो आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरत से जुड़ी हुई हैं। इनमें गैस लाइटर, गैस स्टोव, पेन, हेयर ऑयल, प्रसाधन आइटम्स, टूथ पेस्ट, कंप्यूटर और प्रिंटर शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार फिटमेंट समिति जल्द ही इस पर अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे देगी। उसके बाद जीएसटी काउंसिल को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। जीएसटी काउंसिल की बैठक मई के दूसरे हफ्ते में हो सकती है। उस बैठक में इस रिपोर्ट में अंतिम फैसला लिया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि आर्थिक गतिविधियों में रफ्तार जारी है। जीएसटी कलेक्शन भी सही लेवल पर आ चुका है। ऐसे में अब जीएसटी की दरों में बदलाव को लेकर कदम उठाए जा सकते हैं। हालांकि, अंतिम फैसला राज्यों की सहमति के बाद लिया जाएगा। अगर रोजमर्रा की चीजों पर जीएसटी की दरें कम होती है तो उम्मीद है कि राज्यों को इसमें कोई दिक्कत नहीं होगी। जीएसटी टैक्स एक्सपर्ट निखिल गुप्ता का कहना है कि इसकी दरों को तर्कसंगत करने के पीछे का मकसद जीएसटी टैक्स स्ट्रक्चर को सरल बनाना होता है। इससे कलेक्शन बढ़ सकता है। पिछले अनुभव ने यह साबित किया है कि दरों में कमी के बावजूद कलेक्शन में बढ़ोतरी सबसे अधिक रही है। अर्थशास्त्री इस बारे में लाफर कर्व का उल्लेख करते हैं। इस अवधारणा के मायने हैं कि सरकार के पास ऐसे अवसर होते हैं, जिनमें टैक्स रेट को कम करके कलेक्शन बढ़ाए जा सकते हैं। हाल के महंगाई के आंकड़ों से पता चलता है कि रिटेल महंगाई से छह फीसदी नीचे चला गया है। महंगाई दर में कमी का सहारा लेने का यह एक उपयुक्त समय प्रतीत होता है। अर्थव्यवस्था में सबसे प्रमुख है लोगों की खरीददारी। टैक्स रेट कम होंगे तो चीजें सस्ती होंगी लिहाजा खरीदारी बढ़ेगी और आर्थिक विकास होगा।

100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार वाली फर्मों को सात दिन में अपलोड करनी होगी ई-इनवाइस

नई दिल्ली। सालाना 100 करोड़ रुपए का कारोबार करने वाली कंपनियां मई से एक सप्ताह से ज्यादा पुराने इनवाइस को ई-इनवाइस पोर्टल पर अपलोड नहीं कर सकेंगी। इसका मतलब यह हुआ कि अगर पोर्टल पर सात दिन से ज्यादा पुराने इनवाइस अपलोड किए जाते हैं तो इनवाइस प्राप्त करने वाले वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा नहीं कर सकेंगे। समय का प्रतिबंध दस्तावेज के प्रारूप वाले इनवाइस पर लागू होगा, रिपोर्ट डेबिट, क्रेडिट नोट्स पर लागू नहीं होगा। एएमआरजी ऐंड एसोसिएट्स में सीनियर पार्टनर रजत मोहन ने कहा कि आपूर्तिकर्ता इनवाइस जारी किए जाने की तिथि को ध्यान में रखे बगैर पोर्टल पर इनवाइस अपलोड कर रहे हैं। अब तक जीएसटीएन इन इनवाइस को स्वीकार कर लेता था। केपीएमजी इंडिया में अप्रत्यक्ष कर के पार्टनर हरप्रीत सिंह ने कहा कि नई अनुपालन व्यवस्था में आंतरिक तालमेल और बेहतर सूचना तकनीक आईटी व्यवस्था की जरूरत होगी। ईवाई में टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि इस कदम से जीएसटी संग्रह बढ़ाने में मदद मिल सकती है, अगर 100 करोड़ के कारोबार की सीमा घटा दी जाती है या सभी करदाताओं के लिए इसे अनिवार्य कर दिया जाता है।

भारत मक्खन व अन्य डेयरी उत्पाद नहीं करेगा आयात

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने स्पष्ट किया कि देश मक्खन और अन्य डेयरी उत्पादों का आयात नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू क्षेत्र की मदद से ही आपूर्ति में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसमें डेयरी उत्पादों की कमी की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के प्रभारी रूपाला ने कहा, इन उप्पादों का कोई आयात नहीं होगा। उन्होंने कहा कि देश में दूध की कोई कमी नहीं है और सरकार नियमित रूप से निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा, मांग बढ़ी है। हमारे पास विशाल अप्रयुक्त क्षेत्र है, हम इसका दोहन करने की कोशिश करेंगे। हम इसका उचित तरीके से प्रबंधन करेंगे और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने किसानों और उपभोक्ताओं से भी इस बारे में चिंता नहीं करने का आग्रह किया है। डेयरी उत्पादों की खुदरा कीमतों में वृद्धि पर मंत्री ने कहा कि कीमतों के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। किसानों को अच्छे दाम मिल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर अब तमिलनाडु के बाद केरल में भी दूध पर सियासत शुरू हो गई है। केरल सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ जो अपने ब्रांड मिल्मा के नाम से जानी जाती है, ने कुछ राज्यों के दुग्ध विपणन महासंघों की अपने-अपने राज्यों के बाहर के बाजारों में आक्रामक तरीके से प्रवेश करने की प्रवृत्ति को अनैतिक करार दिया है।

भारत के बैंकों पर वैश्विक संकट का असर नहीं

आरबीआई गवर्नर ने कहा, हमारी बैंकिंग प्रणाली स्थिर व मजबूत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत की वित्तीय प्रणाली अमेरिका और स्विट्जरलैंड के हालिया घटनाक्रमों से पूरी तरह अछूती है। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और स्विट्जरलैंड में बैंकिंग प्रणाली में हालिया घटनाक्रमों ने वित्तीय स्थिरता और बैंकिंग क्षेत्र की स्थिरता के महत्व को एक बार फिर उजागर किया है। शक्तिकांत दास केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में शामिल होने के लिए वाशिंगटन पहुंचे थे। सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने से संबंधित एक सवाल के जवाब में

उन्होंने कहा कि अमेरिका और स्विट्जरलैंड में बैंकों की विफलताओं से जुड़ी घटनाक्रमों ने स्वाभाविक रूप से पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा, जहां तक भारत का सवाल है, भारतीय बैंकिंग प्रणाली, भारतीय वित्तीय प्रणाली अमेरिका या स्विट्जरलैंड में हुए घटनाक्रमों से पूरी तरह अछूती है। हमारी बैंकिंग प्रणाली लचीली, स्थिर और स्वस्थ है।

हमारा फोकस कमजोरियों को जल्द पहचानने में

शक्तिकांत दास ने कहा कि निगरानी नियामकों का फोकस कमजोरियों की जल्द से जल्द पहचान करने पर होना चाहिए, न कि संकट के बढ़ने का इंतजार करने पर। जहां तक भारतीय रिजर्व बैंक का सवाल है, पिछले कुछ वर्षों में हमने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों सहित पूरी बैंकिंग प्रणाली के अपने विनियमन और पर्यवेक्षण में काफी सुधार किया और सख्ती बरती है। बैंकिंग से संबंधित मापदंड, चाहे वह पूंजी पर्याप्तता हो, तनावग्रस्त परिसंपत्तियों का प्रतिशत हो, व्यक्तिगत और प्रणालीगत स्तर पर अलग-अलग बैंकों की तरलता का कवरेज अनुपात हो या प्रावधान कवरेज अनुपात, बैंकों के शुद्ध ब्याज मार्जिन का मामला हो या बैंकों की लाभप्रदता इन सभी पैरामीटर पर भारतीय बैंकिंग प्रणाली अब भी बहुत स्वस्थ बनी हुई है।

मई में महंगी हो जाएंगी टाटा की कारें

नई दिल्ली। वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स ने एक मई से अपने यात्री वाहनों की कीमतों में औसतन 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि विनियामकीय बदलाव और लागत बढ़ने के कारण कीमतों में यह बढ़ोतरी करनी पड़ रही है। कंपनी ने अधिकांश बोझ का वहन करने की कोशिश की है लेकिन इसका कुछ हिस्सा ग्राहकों पर भी डालने का निर्णय लिया गया है। इसी के तहत यात्री वाहनों की कीमतों में औसतन 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जा रही है जो विभिन्न मॉडलों के लिए अलग अलग होगी। उल्लेखनीय है कि टाटा मोटर्स की पंच, नेक्सन, टियागो, टिगोर के साथ ही हैरियर और सफारी लोगों में काफी लोकप्रिय है।

आईडीबीआई बैंक के संभावित बोलीदाताओं का आकलन शुरू

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने सार्वजनिक क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक की बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी रखने वाले कम से कम पांच संभावित बोलीदाताओं का आकलन शुरू किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

कोटक महिंद्रा बैंक, प्रेम वत्स समर्थित सीएसबी बैंक और एमिरेट्स एनबीडी बोलीदाताओं में शामिल हैं, जिन्होंने अभिरुचि पत्र जमा कराया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। रॉयटर्स हालांकि अन्य संभावित बोलीदाताओं के नाम की पुष्टि नहीं कर पाया। आरबीआई, वित्त मंत्रालय, आईडीबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, सीएसबी बैंक ने इस बारे में टिप्पणी नहीं की। एमिरेट्स बैंक के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। व्यापक निजीकरण योजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में यह विनिवेश का पहला बड़ा मामला है और इससे सरकार को मौजूदा बाजार कीमत पर 300 अरब रुपए मिल सकते हैं। आईडीबीआई बैंक में भारत सरकार की हिस्सेदारी 45.48 फीसदी है और वह इसकी 30.48 फीसदी हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। साथ ही भारतीय जीवन बीमा निगम अपनी 49.24 फीसदी हिस्सेदारी में से 30.24 फीसदी हिस्सा बेचेगी। हिस्सेदारी बिक्री प्रक्रिया का पहला कदम अभिरुचि पत्र जमा कराने का मामला जनवरी में पूरा हो गया। सूत्रों ने कहा कि वित्तीय बोली इसी साल आगे जमा कराई जा सकती है।

कारोबारी माहौल रैंकिंग में भारत छह पायदान ऊपर

नई दिल्ली। इकनॉमिक इंटेलिजेंस यूनिट ईआईयू की ओर से जारी वैश्विक कारोबारी माहौल रैंकिंग बीईआर के मुताबिक 2022 की दूसरी तिमाही से 2023 की दूसरी तिमाही के बीच भारत छह पायदान ऊपर गया है। तकनीकी तैयारी, राजनीतिक माहौल और विदेशी निवेश सहित अन्य मानकों के स्कोर में सुधार की वजह से रैंकिंग में सुधरी है। बीईआर में 91 संकेतकों के आधार पर 82 देशों में कारोबारी माहौल को लेकर आकर्षण का मापन किया जाता है। 2023 की दूसरी तिमाही लिए रैंकिंग से पता चलता है कि सिंगापुर, कनाडा और डेनमार्क अगले पांच साल में सबसे बेहतर कारोबारी माहौल देने वाले तीन देश होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विनिर्माण में निवेश के मामले में ऐतिहासिक रूप से संघर्ष कर रहा हैए वहीं नीतिगत सुधार की वजह से भारत में कारोबार करना आसान हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है, मजबूत, स्थिर अर्थव्यवस्था और व्यापक रूप से श्रमिकों की आपूर्ति की वजह निवेशकों को आकर्षित करने का आधार है। हम उम्मीद करते हैं कि बुनियादी ढांचाए कराधान और कारोबार के नियमन में सुधार की वजह से निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

इरडा ने जारी किए आंकड़े सरकारी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी घटी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की चार जनरल इंश्योरेंस कंपनियों न्यू इंडिया एश्योरेंस, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और नैशनल इंश्योरेंस कंपनी की बाजार हिस्सेदारी पिछले पांच साल में उनकी निजी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में 800 आधार अंक कम हो गई है। भारतीय जीवन बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण इरडा के आंकड़ों से पता चलता है कि 2018-19 में इन चार सरकारी कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी 40.4 प्रतिशत थी, जिसमें न्यू इंडिया एश्योरेंस की बाजार हिस्सेदारी 14 प्रतिशत और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस की हिस्सेदारी 9.63 प्रतिशत थी। पिछले पांच साल के दौरान सरकार समर्थित इन बीमाकर्ताओं की बाजार हिस्सेदारी धीरे-धीरे निजी प्रतिस्पर्धियों ने छीननी शुरू कर दी, जिसके कारण इनके कारोबार का हिस्सा कम हो गया। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2023 के अंत तक इन फर्मों की बाजार हिस्सेदारी घटकर 32.37 प्रतिशत रह गई है और इसमें 803 आधार अंक की गिरावट आई है। इन चार बीमाकर्ताओं में न्यू इंडिया एश्योरेंस की बाजार हिस्सेदारी सबसे कम 64 आधार अंक घटी है। कंपनी ने देश की सबसे बड़ी जनरल बीमाकर्ता का अपना स्थान बनाए रखा है। बहरहाल अन्य तीन कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

एचडीएफसी बैंक का कार लोन मेला आज

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और विदर्भ सहित महाराष्ट्र के कई हिस्सों में एक बड़े कार लोन मेला अभियान की शुरुआत की है। 400 से अधिक शाखाएं 15 अप्रैल को ऋण अभियान की मेजबानी करेंगी, जहां कार डीलर अपने ऑटोमोबाइल मॉडल प्रदर्शित कर सकते हैं और बैंक मौके पर ही ऋण प्रदान करेगा। एचडीएफसी बैंक ने इसके लिए अग्रणी ऑटोमोबाइल ब्रांड और क्षेत्रीय डीलरशिप के साथ साझेदारी की है। कार लोन मेला शाखाओं में आने वाले ग्राहकों और गैर ग्राहकों दोनों के लिए खुला रहेगा। वे प्रदर्शन पर कारों को देख सकते हैं और क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे बनारस के लिए चलाएगी साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और आगामी ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के लिए मुंबई सेंट्रल एवं बनारस स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने बताया कि ट्रेन संख्या 09183 मुंबई सेंट्रल-बनारस स्पेशल प्रत्येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से 22.50 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 10.30 बजे बनारस पहुंचेगी। यह ट्रेन 3 मई से 28 जून तक चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09184 बनारस-मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को बनारस से 14.30 बजे प्रस्थान कर रविवार को 04.35 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 5 मई से 30 जून तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, अछनेरा जंक्शन, आगरा फोर्ट, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, भोंगांव, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली जंक्शन, अमेठी, प्रतापगढ़, जंघई जंक्शन और भदोही स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09183 की बुकिंग 15 अप्रैल से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपर्युक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

गुरुग्राम। एमजी मोटर इंडिया ने अपने स्मार्ट इलेक्ट्रिक वाहन का उत्पादन शुरू होने का संकेत देते हुए अपना पहला विश्वप्रसिद्ध जीएसईवी प्लेटफॉर्म पर आधारित स्मार्ट शहरी कम्युटर इलेक्ट्रिक वाहन कॉमेट पेश किया। पहला प्रोडक्शन कॉमेट वाहन सड़क पर उतारने के मौके पर बीजू बालेंद्रन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एमजी मोटर इंडिया मौजूद रहे।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर विदेशी मुद्रा भंडार

आरबीआई के आंकड़े जारी, 9 महीने में हुआ सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ा उछाल आया है। पिछले दो हफ्ते से विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखने को मिल रही थी। अब इसमें रिकॉर्ड तेजी आ गई है। सात अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 6.306 अरब डॉलर बढ़कर 584.755 अरब डॉलर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस वृद्धि के साथ पिछले दो सप्ताह से जारी गिरावट पर विराम लगा है। इससे पिछले सप्ताह, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 32.9 करोड़ डॉलर घटकर 578.42 अरब डॉलर रहा था। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट आई थी। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, सात अप्रैल को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशीमुद्रा आस्तियां 4.74 अरब डॉलर बढ़कर 514.431 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त किये की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

स्वर्ण भंडार में भी इजाफा

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 1.496 अरब डॉलर बढ़कर 46.696 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.45 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आईएमएफ में रखा देश का मुद्रा भंडार 1.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.178 अरब डॉलर रहा।

गैस की कीमत तय करने के नए फॉर्मूले से घटेगी गैस उत्पादकों की आय

ओएनजीसी व ऑयल इंडिया को होगा नुकसान

नई दिल्ली। देश की नई गैस मूल्य निर्धारण व्यवस्था से ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड जैसी गैस कंपनियों की आय घटेगी। एसएंडपी रेटिंग्स ने शुक्रवार को यह बात कही। हालांकि, नए मानदंड कठिन क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमतों को प्रभावित नहीं करेंगे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसी कंपनियां इस तरह के क्षेत्रों का संचालन करती हैं। सरकार ने छह अप्रैल, 2023 को नए दिशानिर्देशों की घोषणा की थी। इसके तहत सरकार घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस की कीमतें मासिक आधार पर तय करेगी। यह दर पिछले महीने में भारतीय क्रूड बास्केट भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की औसत कीमत का 10 फीसदी होगी।

सरकार ने गैस कीमत के लिए चार अमेरिकी डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट की निचली सीमा और 6.5 डॉलर प्रति यूनिट की ऊपरी सीमा भी तय की। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की साख विश्लेषक श्रुति जटाकिया ने कहा, हमें उम्मीद है कि नए गैस मूल्य निर्धारण मानदंडों से कीमतों में अधिक तेजी से संशोधन होंगे। इससे पहले कीमतों की छह महीने में एक बार समीक्षा की जाती थी। एसएंडपी ने एक बयान में कहा, निचली मूल्य सीमा का मतलब है कि ओएनजीसी अपने गैस उत्पादन पर कम से कम चार डॉलर प्रति यूनिट का मूल्य हासिल कर सकेगी, भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राकृतिक गैस की कीमतें ऐतिहासिक रूप से कम हो जाएं।

इसी तरह कीमतों की ऊपरी सीमा ओएनजीसी के लिए आय में वृद्धि सीमित करेगी। खासतौर से मौजूदा बढ़ी हुई कीमतों के बीच ऐसा देखने को मिलेगा।

आईएमएफ ने भारत का वृद्धि अनुमान घटाया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष आईएमएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि भारत की वृद्धि दर के अनुमान को 6.1 फीसदी से घटाकर 5.9 फीसदी करने के पीछे की मुख्य वजह घरेलू खपत में आ रही सुस्ती और आंकड़ों में हुए संशोधन हैं। आईएमएफ ने गत मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि दर पूर्वानुमान को घटा दिया था। इसके साथ ही मुद्राकोष ने कहा कि भारत इस गिरावट के बावजूद दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। मुद्राकोष के एशिया एवं प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्ण श्रीनिवासन ने कहा कि भारत के वृद्धि दर अनुमान में कटौती के

घरेलू खपत में सुस्ती रहेगी

पीछे मुख्य रूप से दो कारक रहे हैं। उन्होंने कहा, एक कारण घरेलू खपत की वृद्धि में आ रही हल्की सुस्ती है। दूसरा कारक 2019 से 2020 में आंकड़ों का संशोधन है जिससे आर्थिक स्थिति पता चलती है। महामारी से पहले स्थिति कहीं बेहतर थी। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामारी का प्रभाव हमारी सोच से कहीं अधिक सीमित था और पुनरुद्धार अधिक सशक्त रहा है। श्रीनिवासन ने कहा कि इन सभी कारणों से उत्पादन का अंतराल कम हो रहा है। उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि पूर्वानुमान में संशोधन किस वजह से हुआ है। जहां तक जोखिम का सवाल है तो एक बार फिर इस क्षेत्र में बाह्य जोखिम अमेरिका एवं यूरोप में वृद्धि के सुस्त पड़ने से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इन सभी बाह्य जोखिमों का भारतीय अर्थव्यवस्था के वृद्धि पूर्वानुमान पर असर देखने को मिल सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के रीपो दर में वृद्धि का सिलसिला रोकने के बारे में पूछे जाने पर श्रीनिवासन ने कहा, मौजूदा समय में 6.5 फीसदी की ब्याज दर काफी हद तक एक तटस्थ नीतिगत रुख है जो हमारी राय में भारत की आर्थिक स्थितियों के लिहाज से टिकाऊ है।

स्वास्थ्य महंगाई दर लगातार उच्च स्तर पर

बाकी क्षेत्रों की कीमतों में आई कमी

नई दिल्ली। मार्च 2023 में भले ही प्रमुख महंगाई दर घटकर छह प्रतिशत से नीचे आ गई है, लेकिन स्वास्थ्य महंगाई दर 6.59 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है। कोविड के बढ़ते मामले को देखते हुए यह अहम है। प्रमुख महंगाई दर में गैर खाद्य और गैर ईंधन वस्तुओं की कीमत में बढ़ोतरी शामिल होती है, जो कम उतार-चढ़ाव वाली वस्तुएं हैं। प्रमुख महंगाई दर में कुछ अन्य क्षेत्रों जैसे घर में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं, सेवाओं और पर्सनल केयर उत्पादों की कीमत बढ़ी हुई बनी है। वहीं फरवरी की तुलना में मार्च में इसमें गिरावट आई है, जबकि स्वास्थ्य महंगाई दर बढ़ी है। स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई दर फरवरी के 6.5 प्रतिशत की तुलना में मार्च में बढ़कर 6.59 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह लगातार सातवां महीना है, जब स्वास्थ्य महंगाई दर में वृद्धि हुई है। नवंबर 2022 से यह छह प्रतिशत के ऊपर बनी हुई है। वृद्धि की मुख्य वजह दवाओं के दाम में वृद्धि है, जिसकी स्वास्थ्य महंगाई दर में सबसे ज्यादा भूमिका है। दवाओं की महंगाई गैर संस्थागतद्धमार्च में 7.20 प्रतिशत बढ़ी है, जो फरवरी में 7.15 प्रतिशत थी। यह अक्टूबर 2022 से छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। इक्रा में मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, स्वास्थ्य महंगाई में दवाओं का अधिभार 70 प्रतिशत है। इसकी वजह से महंगाई दर ज्यादा नजर आ रही है। स्वास्थ्य की अन्य श्रेणियों में डॉक्टर, सर्जन से पहली बार परामर्श का शुल्क गैर संस्थागत भी फरवरी के 5.71 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 6.01 प्रतिशत हो गया है। व्यक्तिगत देखभाल के उत्पाद की महंगाई दर फरवरी में 9.43 प्रतिशत के उच्च स्तर पर थी, जो मार्च में घटकर 8.25 प्रतिशत पर आ गई है। घर में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं और सेवाओं की महंगाई दर मार्च में घटकर सात प्रतिशत पर आ गई है, जो फरवरी में 7.35 प्रतिशत थी। क्वांटइको रिसर्च ने एक नोट में कहा है, स्वास्थ्य को छोड़कर प्रमुख महंगाई दर की अन्य श्रेणियों में मार्च 2023 में सुस्ती नजर आई है।

वायदा बाजार में नई ऊंचाई पर सोना चांदी भी हुई 77 हजार रुपए पार

नई दिल्ली। इस सप्ताह सोना-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी दर्ज की जा रही है। सोने के वायदा भाव नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। चांदी के वायदा भाव भी 77 हजार रुपए पार कर चुके हैं और जल्द ही सर्वोच्च स्तर छू सकते हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स पर शुक्रवार को सोने का जून कॉन्ट्रैक्ट 60731 रुपए के भाव पर खुला, जबकि पिछला क्लोजिंग प्राइस 60628 रुपए प्रति 10 ग्राम था। खबर लिखे जाने के समय इससे 61371 रुपए के भाव पर दिन का ऊपरी स्तर छू लिया। सोने का यह वायदा भाव अब तक सर्वोच्च स्तर भी है। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 627 रुपए की तेजी के साथ 61255 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के साथ चांदी के भाव में भी तेजी देखी जा रही है। एमसीएक्स पर शुक्रवार को चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट पिछले क्लोजिंग प्राइस से 121 रुपए की तेजी के साथ 76034 रुपए के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह 1097 रुपए की तेजी के साथ 77010 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने शुक्रवार दिन का 77097 रुपए किलो का उच्च स्तर छू लिया। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि चांदी का आल टाइम हाई प्राइस 77949 रुपए किलो है।

भोपाल में दस रुपए गिरा सोना

वहीं प्रदेश की राजधानी भोपाल की बात करें तो सोने में 100 रुपए की गिरावट आई है। सोना 24 कैरेट 60800 रुपए प्रति दस ग्राम रहा। वहीं चांदी के भाव यथावत रहे। चांदी 72000 रुपए प्रति किलो रही। आनेवाले दिनों में सोना और चांदी में तेजी देखने को मिल सकती है।

मर्सिडीज की वित्तवर्ष में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज

नई दिल्ली। मर्सिडीज बेंज इंडिया ने वित्त वर्ष और पहली तिमाही में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। मर्सिडीज बेंज ने वित्तवर्ष 2022-23 में 37 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,497 यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया। मर्सिडीज बेंज ने 2023 की पहली तिमाही में 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4697 नई कारों की आपूर्ति कर सर्वश्रेष्ठ पहली तिमाही दर्ज की। टॉप एंड वाहनों ने 2023 की पहली तिमाही में 107 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। मर्सिडीज बेंज ने अपने मॉडलों का वेटिंग पीरियड घटाया। मर्सिडीज एएमजी का सबसे शक्तिशाली प्रोडक्शन वाहन जीटी 63एसई परफॉर्मेंस बाजार में उतारा है। संतोष अय्यर मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, मर्सिडीज बेंज इंडिया ने ग्राहकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, हमारा सर्वश्रेष्ठ वित्तवर्ष और सर्वश्रेष्ठ तिमाही भारत में लग्जरी कार ग्राहकों के बीच मर्सिडीज बेंज की मजबूत डिजायरेबिलिटी प्रदर्शित करती है।

रियलमी ने नार्जो एन55 का अनावरण किया

नई दिल्ली। रियलमी ने नार्जो एन सीरीज में अब तक की अपनी पहली बेहतरीन पेशकश रियलमी नार्जो एन55 का अनावरण किया। यह स्मार्टफोन अमेजन स्पेशल स्मार्टफोन है जिसमें इतनी कीमत में फ्लैगशिप स्तर के सेंसर के साथ 64एमपी का कैमरा और 33वाट चार्जिंग है। इसमें मिनी कैप्सूल भी है जो तीन आवश्यक विशेषताएं चार्ज नोटिफिकेशन, डेटा यूसेज नोटिफिकेशन और स्टेप नोटिफिकेशन प्रदान करता है। नार्जो एन-सीरीज में स्टाईल एवं यूटिलिटी के साथ अत्याधुनिक फीचर्स, आधुनिक प्रिज्म एस्थेटिक्स के साथ स्टाईलिश डिजाईन और शक्तिशाली प्रदर्शन जैसी खूबियां हैं। इसमें 5000एमएएच की शक्तिशाली बैटरी के साथ 33 वाट सुपरवूक चार्जिंग प्रदान करती है।

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	04	03	01	06	1.588
लखनऊ	04	03	01	06	1.048
गुजरात	04	03	01	06	0. 341
कोलकाता	04	02	02	04	0.711
चेन्नई	04	02	02	04	0.225
पंजाब	04	02	02	04	-0.226
हैदराबाद	04	02	02	04	-0.822
बेंगलुरु	03	01	02	02	-0.800
मुंबई	03	01	02	02	-0.879
दिल्ली	04	00	04	00	-1.576

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	रन
शिखर धवन	पंजाब	04	233
डेविड वॉर्नर	दिल्ली	04	209
जोस बटलर	राजस्थान	04	204
ऋतुराज	चेन्नई	04	197
शुभमन गिल	गुजरात	04	183

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	04	10
मार्क वुड	लखनऊ	03	09
राशिद खान	गुजरात	04	09
अर्शदीप सिंह	पंजाब	04	07
एस जोसेफ	गुजरात	04	07

टीटी नगर स्टेडियम में ग्रीष्मकालीन शिविर आज से

भोपाल। भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में शनिवार से से दो महीने 15 जून तक समर कैंप शुरू होने जा रहा है। गर्मी की छुट्टी के इन दो महीने शहर के बच्चे डिजिटल दुनिया से दूर होकर खेल के मैदान में उतरेंगे।। इस सीजन करीब 400 बच्चों ने रजिस्टर किया है। समर कैंप में स्टेडियम में खेले जाने वाले खेलों में बास्केटबॉल, कराते, फुटबॉल, बॉक्सिंग, कबड्डी, जिम्नास्टिक, ताइक्वांडो, योगा, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, टेनिस, मलखम, वॉलीबॉल, बीच वॉलीबॉल, एरोबिक, फेसिंग, बिलियडर्स एंड स्नूकर, जूडो, एथलेटिक्स, स्केटिंग एवं किड फिटनेस शामिल हैं।

फोटो : शमीम खान

हैरी ब्रुक ने जड़ा सीजन का पहला शतक

आईपीएल : सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 23 रन से हराया

कोलकाता। हैरी ब्रुक के शानदार शतक और कप्तान एडम मार्करम के अर्धशतक की मदद से आईपीएल 2023 के 19वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 23 रन से हरा टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 20 ओवर में चार विकेट पर 228 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइटराइडर्स ने 20 ओवर में सात विकेट पर 205 रन बनाकर ही सकी।

229 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता की शुरुआत बेहद ही खराब रहीं। रहमनुल्लाह गुरबाज शून्य रन और वेंकटेश अय्यर 10 रन और सुनील नारायण शून्य जल्द ही पवेलियन लौट गएं। कोलकाता के 20 रन के स्कोर पर तीन विकेट कगरने के बाद कप्तान नितीश राणा ने जगदीशन के साथ मिलकर पारी को संभालते हुए पहले 6 ओवरों में स्कोर को 62 रनों तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। नितीश और जगादीशन के बीच में चौथे विकेट के लिए 29 गेंदों में 62 रनों की साझेदारी हुई। जगदीशन ने आउट होने के बाद नितीश राणा को रिंकू सिंह का साथ मिला। दोनों ने 6वें विकेट के लिए 29 गेंदों में 62 रनों की साझेदारी देखने को मिली। नीतिश राणा के पवेलियन लौट जाने के बाद एक बार फिर रिंकू सिंह पर सभी की नजरें टिकीं थी। कोलकाता को आखिरी ओवर में 32 रन की आवश्यकता थी।आखिरी ओवर की पहली गेंद पर उमेश यादव आउट हो गए। उसके बाद सिर्फ आठ रन ही बने। रिंकू ने एक छक्का लगाया, लेकिन वह काफी नहीं था। रिंकू सिंह 31 गेंद पर 58 रन और नीतीश राणा ने 41 गेंद पर 75 रन की पारी खेली।

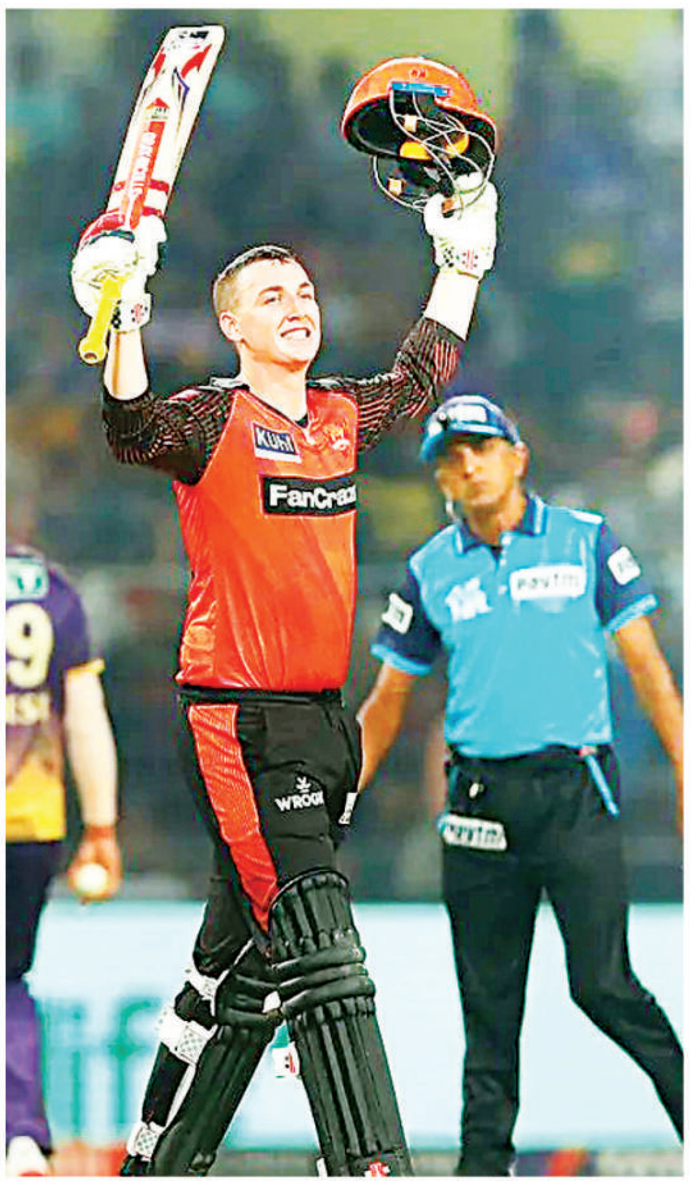

ब्रुक और मार्करम के बीच 72 रनों की साझेदारी

हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रहीं। मंयक अग्रवाल और राहुल त्रिपाठी नौ-नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। दो विकेट गिरने के बाद क्रीज पर आये मार्करम ने दूसरे छोर पर दर्शनीय अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे ब्रुक का भरपूर साथ दिया। हैरी ब्रुक (100 नाबाद) का तूफानी शतक और तीसरे विकेट के लिए कप्तान एडन मार्कम (50) के साथ 72 रनों की साझेदारी की। मार्करम ने मात्र 26 गेंदों की संक्षिप्त पारी में चौकों छक्कों की बारिश कर दी। उनको वरूण चक्रवर्ती ने अपनी गुगली के जाल में फंसाया और मिड विकेट बाउंड्री पर खड़े आंद्रे रसेल के हाथों कैच आउट करा तूफान को आंशिक विराम दिया। मार्कर्म ने पांच छक्के और दो चौके लगाए। बाद में ब्रुक का साथ अभिषेक शर्मा (32) ने दिया और रन गति की रफ्तार को बरकरार रखा। आईपीएल के मौजूदा सत्र के पहले शतकवीर बनने वाले ब्रुक ने मात्र 55 गेंदो पर 12 चौकों और तीन छक्के उड़ाये। कोलकाता के कप्तान नीतिश राणा ने उनको आउट करने के लिए अपने सात गेंदबाजों आजमाये मगर मैदान पर रनो की बारिश रोकने में सभी के सभी असहाय नजर आये। कोलकाता की ओर से आंद्रे रसेल 22 रन पर तीन विकेट चटका कर सबसे सफल गेंदबाज रहे। हालांकि उन्हे कप्तान ने देर से आजमाया वहीं उमेश यादव और सुयश शर्मा ने खूब रन लुटाए।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4/6
हैरी ब्रुक नाबाद	100	55	12/3
मयंक कै. वरुण बो. रसल	09	13	0/0
त्रिपाठी कै. गुरबाज बो. रसल	09	04	2/0
मार्करम कै. रसल बो. चक्रवर्ती	50	26	2/5
अभिषेक शर्मा कै. शार्दुल बो. रसल	32	17	3/2
हेनरिक क्लासेन नाबाद	16	06	2/1

अतिरिक्तः 12, कुलः 20 ओवर में चार विकेट पर 228 रन **विकेट पतनः** 1-46, 2-57, 3-129, 4-201, **गेंदबाजीः** उमेश यादव 3-0-42-0, लॉकी फर्ग्युसन 2-0-37-0, सुनील नारायण 4-0-28-0, आंद्रे रसल 2.1-0-22-3, वरुण चक्रवर्ती 4-0-41-1, सुयश शर्मा 4-0-44-0, शार्दुल ठाकुर 0.5-0-14-0,

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4/6
गुरबाज कै. मलिक बो. भुवनेश्वर	00	03	0/0
जगदीशन कै. फिलिप्स बो. मार्कंडेय	36	21	5/1
वेंकटेश कै. मार्करम बो. मार्को	10	11	2/0
सुनील कै. मार्करम बो. मार्को	00	01	0/0
राणा कै. सुंदर बो. नटराजन	75	41	5/6
आंद्रे रसल कै. मार्को बो. मयंक	03	06	0/0
रिंकू सिंह नाबाद	58	31	4/4
शार्दुल ठाकुर कै. सुंदर बो. मलिक	12	07	2/0
उमेश यादव नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्तः 10, कुलः 20 ओवर में सात विकेट पर 205 रन **विकेट पतनः** 1-0, 2-20, 3-20, 4-82, 5-96, 6-165, 7-197 **गेंदबाजीः** भुवनेश्वर कुमार 4-1-29-1, मार्को यानसन 4-0-37-2, टी नटराजन 4-0-54-1, उमरान मलिक 2-0-36-1, मयंक मार्कंडेय 4-0-27-2, सुंदर 2-0-20-0,

ब्रुक हैदराबाद के लिए शतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी

हैरी ब्रूक ने अपने पहले आईपीएल सीजन में शतक लगा दिया है। वह हैदराबाद की ओर से शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। इससे पहले पहले डेविड वॉर्नर 2017 में केकेआर और 2019 में आरसीबी के खिलाफ नाबाद 100 रनों की पारी खेली थी। जॉनी बेयरस्टो ने 2019 में आरसीबी के खिलाफ 114 रनों की पारी खेली थी।

नितीश राणा ने आईपीएल में 200 चौके किए पूरे

नितीश राणा ने आईपीएल करियर का 200 चौके पूरे कर लिए। उन्होंने उमरान मलिक के छठवें ओवर में चार चौके और दो छक्के जड़कर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने इस ओवर में 28 रन बनाए।

यूनाइटेड की सेमीफाइनल की उम्मीदों को लगा झटका

मैनचेस्टर यूनाइटेड और सेविला ने ड्रॉ खेला

मैनचेस्टर। मार्सेल सेबिजर के पहले हाफ में दागे गए दो गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड यूरोपा लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाने की तरफ मजबूती से कदम आगे बढ़ा रहा था लेकिन अंतिम क्षणों की चूक के कारण उसे सेविला से क्वॉर्टर फाइनल के पहले चरण का मैच 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा। सेबिजर ने 14वें और 21वें मिनट में गोल करके मैनचेस्टर यूनाइटेड मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था लेकिन टाइरेल मलासिया ने 84वें मिनट में आत्मघाती गोल कर दिया। इसके बाद हैरी मैग्वायर ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में बराबरी का गोल दागा। क्वॉर्टर फाइनल का दूसरा चरण अगले सप्ताह स्पेन में खेला जाएगा। इस बीच मैट्स वीफर के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से फेयेनोर्ड ने यूरोपा लीग के पहले चरण के क्वार्टर फाइनल मैच में रोमा को 1-0 से हराया। जुवेंट्स ने क्वॉर्टर फाइनल चरण के पहले मैच में डिफेंडर फेडेरिको गट्टी के 73वें मिनट में किए गए गोल से स्पोर्टिंग लिस्बन को 1-0 से हराया।

दिल्ली कैपिटल्स को पहली जीत की तलाश

बेंगलुरु। लगातार चार मैच हारने के बाद डेविड वॉर्नर के नेतृत्व में दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल 2023 के 20 वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शनिवार को अपनी पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं बेंगलुरु जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगा। जीत के साथ शुरुआत करने के बाद बेंगलुरु को अगले दो मैचों में हार झेलनी पड़ी। दिल्ली की वर्तमान सत्र में शुरुआत बेहद खराब रही और पहले चारों मैच गंवाने के कारण अभी तक उसका खाता नहीं खुला है। डेविड वॉर्नर की अगुवाई वाली टीम के लिए अभी तक कुछ भी अच्छा नहीं रहा है और टीम प्रबंधन भी उचित संतुलन बनाने के लिए जूझ रहा है। दिल्ली कैपिटल्स को पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स, दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस, तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स और चौथे मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। इस सीजन में नियमित कप्तान ऋषभ पंत चोटिल होने के कारण नहीं खेल रहे हैं। उनके जगह डेविड वॉर्नर टीम की कप्तानी कर रहे हैं। दिल्ली के लिए कप्तान वॉर्नर और उपकप्तान अक्षर पटेल ने अब तक बललेबाजी में शानदासर प्रदर्शन किया है। वॉर्नर अच्छे स्ट्राइक रेट से रन नहीं बना पाए हैं लेकिन अक्षर ने अभी तक अच्छी बल्लेबाजी की है। वॉर्नर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। दूसरी तरफ से लगातार विकेट गिरने के कारण उनकी परेशानियां बढ़ रही हैं। पृथ्वी शॉ की अच्छे तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने कमजोरियां खुलकर सामने आई हैं जिससे उन्हें जल्द से जल्द पार पाना होगा। सरफराज खान की जगह टीम में जगह बनाने वाले मनीष पांडे भी योगदान नहीं दे पा रहे हैं जबकि मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में पदार्पण करने वाले यश धुल केवल चार गेंद का सामना करके पवेलियन लौट गए थे। दिल्ली के पास भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी है जो उसके लिए चिंता का विषय है। दिल्ली हालांकि इस मैच में रोवमैन पावेल की जगह फिल साल्ट को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है जिन्हें अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है। दिल्ली के तेज गेंदबाजों एनरिक नोर्त्जेया और मुस्तफिजुर रहमान ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था स्पिनर अक्षर और कुलदीप यादव को भी मैच विजेता प्रदर्शन करने की जरूरत है।

दिव्यांश, विजयवीर और सामरा राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में विजयी

भोपाल। ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार, सिफ्ट कौर सामरा और विजयवीर सिद्धू ने शुक्रवार को यहां पिस्टल और राइफल निशानेबाजों के लिए राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में जीत हासिल की। हाल में आगामी बाकू विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपना स्थान गंवाने वाले दिव्यांश ने फॉर्म में वापसी की। दिल्ली की कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में अनंत जीत सिंह नरूका और गनेमत शेखों ने क्रमशः पुरुष और महिला स्कीट ट्रायल्स में जीत दर्ज की। भोपाल में दिव्यांश ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी4 क्वॉलीफिकेशन दौर में 636.3 अंक का स्कोर बनाया। उन्होंने स्वर्ण पदक मैच में सूर्या प्रताप सिंह बंशतु को 16-12 से पराजित किया। पंजाब की सिफ्ट कौर ने स्वर्ण पदक मुकाबले में ओलंपियन अंजुम मोदगिल को 16-4 से शिकस्त दी। तेजस्विनी सावंत तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में विजयवीर ने आदर्श सिंह को 30-24 से हराया। ओलंपिक रजत पदक विजेता विजय कुमार तीसरे स्थान पर रहे।

भगत व कदम बैडमिंटन के क्वॉर्टरफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय शटलर प्रमोद भगत और विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी सुकांत कदम ने साओ, ब्राजील में ब्राजील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट के क्वॉर्टरफाइनल में जगह बनाई। भगत ने एकल, मिश्रित युगल और पुरुष युगल के क्वॉर्टरफाइनल में प्रवेश किया है जबकि कदम एकल और मिश्रित युगल के क्वॉर्टरफाइनल में पहुंच गए हैं।

वीएस क्रिकेट अकादमी भोपाल विजयी

भोपाल। जबलपुर और वीएस क्रिकेट अकादमी भोपाल के बीच विवेकानंद खेल मैदान गौतम नगर में तीन मैचों के सीरीज का पहला मैच खेला गया। वीएस क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 440 रन आठ विकेट के नुकसान पर बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जबलपुर की टीम 259 रन पर ऑल आउट हो गई। वीएस अकादमी की ओर से संकल्प पराशर निप्पो ने 108 रन, कलश हरायन ने 110 रन, अरब यादव ने 79 रन और यशोधन दुबे ने 42 रन बनाये। जबलपुर के और से पार्थ और मधुर ने 3-3 विकेट लिए। वीएस की ओर से आर्यन व सौरव ने 3- 3 विकेट लिए। मेन ऑफद मैच का पुरस्कार संकल्प पराशर और कलश को संयुक्त रूप से दिया गया। वीएस क्रिकेट अकादमी में मुख्य अतिथि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कोच आशु शुक्ला, संचालक ठाकुर पंकज कुमार, हेड कोच अभय गोस्वामी और मुरलीधर गुप्ता और रणजी प्लेयर कमल त्रिपाठी मौजूद थे।

अंडर 19 शतरंज प्रतियोगिता आयोजित

भोपाल। जूनियर अधिकारी क्लब भोपाल में प्रथम विशी आनंद अंडर19 शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन रवि पलसुले एवं यूनिकॉर्न चेस अकादमी द्वारा किया गया, जिसमे हर्षित दवार ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि कनिष्का चौधरी दूसरे एवं माधवेंद्र शर्मा तीसरे स्थान पर रहे। वहीं प्रतियोगिता के अंडर12 आयु वर्ग में समृद्ध सिंह तोमर चैंपियन बने, जबकि अंडर10 का खिताब प्रणीत के नाम एवं अंडर8 का खिताब मेदांत जैन के नाम रहा। वहीं इरा शर्मा को बेस्ट गर्ल्स का पुरस्कार मिला। टूर्नामेंट की आर्बिटरशिप भोपाल के सीनियर नेशनल आर्बिटर विक्रम सिंह तोमर द्वारा की गई। टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए सचिव केके खरे एवं प्रसादजी ने खुशी जाहिर की।

कबड्डी और रस्साकसी में भी एलएनसीटी चैंपियन

भोपाल। एलएनसीटी कॉलेज रायसेन रोड भोपाल में आयोजित जा रही 6वीं इंजीनियर ओलंपिक खेल प्रतियोगिता के तीसरे दिन खेले गए मुकाबले में पुरुष वर्ग में कबड्डी के फाइनल मुकाबले में एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरजीटी क्लब को 29-24 से हराकर खिताब अपने नाम किया। बैडमिंटन महिला वर्ग के एकल फाइनल मुकाबले में राधा ने उदिता को 21-18, 21-19 से हरा विजेता बनी। पुरुष वर्ग के बैडमिंटन एकल फाइनल मुकाबले में एलएनसीटी के अनादि ने ट्रिपल आईटी के हर्ष गुप्ता को 21-17, 21-19 से हरा खिताब अपने नाम किया। बैडमिंटन डबल्स

पुरुष वर्ग फाइनल मुकाबले में विंन जी और आर्यन की जोड़ी ने हर्ष और विनायक को 21-19, 22-20 से हराकर खिताब अपने नाम किया। बास्केटबॉल पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में एलएनसीटी ने एम्स को 30-24 के स्कोर से हरा खिताब अपने नाम किया।

टीम के खिलाड़ी कार्तिक शर्मा, अमन सिंह, राहुल सूर्यवंशी, श्रेयांश एवं प्रतीक ने शानदार प्रदर्शन कर फाइनल ट्रॉफी अपने नाम की। पुरुष वर्ग के वॉलीबॉल फाइनल मुकाबले में गेम्स ऑफ वासेपुर ने सिस्टेक रातीबड़ 25-23, 25-20 से हराकर खिताब जीता। महिला वर्ग के वॉलीबॉल फाइनल में एलएनसीटी ने एक्सीलेंस को 25-18, 25-20 से हराकर खिताब अपने नाम किया। रस्साकशी के फाइनल मुकाबले में एलएनसीटी ने ओरिएंटल को हराया।

दमोह की सुषमा को ब्लाइंड भारतीय टीम की कप्तानी

भोपाल। भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम की कमान दमोह की सुषमा पटेल को सौंपी गई है। भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम अपने पहले ऐतिहासिक दौरे पर 25 से 30 अप्रैल के बीच 5 टी20 मैच खेलेगी। मध्य प्रदेश के लिए यह गौरव की बात है कि सुषमा पटेल को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है एवं मध्य प्रदेश की कृतिका चारवे भारतीय टीम की कोच बनकर टीम के साथ जाएगी। गौरतलब है कि क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया सीएबीआई ने भारत की पहली 17 सदस्यीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम की घोषणा की थी। जिसमें मध्य प्रदेश की सुषमा पटेल दमोह एवं प्रिया कीर नर्मदा पुरम का चयन हुआ। मध्य प्रदेश महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम पिछले दो संस्करणों से राष्टीय क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेती आ रही है। सीएबीएमपी द्वारा अभी तक 500 से अधिक ब्लाइंड लड़कियों को क्रिकेट का प्रशिक्षण दिया जा चुका हैं। लड़कियों के अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें प्रदेश की टीम में शामिल किया जाता है। सीएबीएमपी के अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र शर्मा ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे मध्य प्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया जिसमें भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम की पहली कप्तान मध्य प्रदेश से होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सोनू गोलकर ने बताया कि हमारे लिए गौरव का क्षण है पिछले 2 वर्षो से हमारे प्रदेश की टीम राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करती आ रही थी।

भोपाल से श्रेया और खुशी का एनसीए की जोनल क्रिकेट अकादमी कैंप में चयन

भोपाल। अरेरा क्रिकेट अकादमी भोपाल की स्टुडेंट श्रेया दीक्षित और खुशी यादव को एनसीए की ओर से जेडसीए के अंडर19 कैंप के लिये चयनित किया गया है। मध्य प्रदेश से छह लड़कियों का चयन किया गया है। इंदौर से कनिष्का ठाकुर, नर्मदापुरम से यामिनी बिल्लोरे, ग्वालियर से वैष्णवी शर्मा और शहडोल से संस्कृति गुप्ता का चयन हुआ है। यह कैंप 17 अप्रैल से 11 मई तक सुल्तानपुर, रांची, विजयनगर, वलसाड और चंडीगढ़ में आयोजित किये जा रहे हैं। हर सेंटर पर 20-20 प्लेयर्स को बुलाया गया है। इस अवसर पर अरेरा क्रिकेट अकादमी ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाइयां दी।

नर्मदापुरम 186 रन पर आलआउट

भोपाल। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत स्थानीय भोपाल रातीबड़ फैथ मैदान पर एडब्ल्यू कनमाड़िकर ट्रॉफी अंडर 13 बायज इंटर डिवीजन मैच नर्मदापुरम् संभाग व भोपाल संभाग के बीच दोदिवसीय मैच शुरू हुआ। पहले दिन नर्मदापुरम् संभाग के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नर्मदापुरम संभाग ने 46 ओवरों में 186 रन बनाए। कप्तान आरफ कुरैशी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 24 चौकों की मदद से 144 रन बनायें। भोपाल संभाग की ओर से गेंदबाजी करते हुए नैतिक जैन 05 विकेट, दिशांत पाटीदार 03 विकेट लिए। जवाब में भोपाल संभाग ने बल्लेबाजी करते हुए आरव मसीह 56 रन नाबाद, नवनीत सोनी 48 रन, अक्षत सिंह 14 रन पर नाबाद खेल रहे हैं। दिन का खेल खत्म होने तक भोपाल संभाग ने 41 ओवरों में 03 विकेट के नुकसान पर 140 रन बना लिये है।

प्रेग्नेंसी के दौरान रहना है हेल्दी तो हर तीन महीने में फॉलो करें ये टिप्स

हर महिला के लिए मातृत्व एक बेहद सुखद अहसास होता है। यह दौर सभी महिला के जीवन में बेहद खास होता है। लेकिन कई बार यह काफी चुनौतीपूर्ण भी साबित हो सकता है। ऐसे में अगर आप अपना और अपने बच्चे का ध्यान रखना चाहती हैं, तो इसके लिए बेहद जरूरी है कि आप खुद की उचित देखभाल करें। इस दौरान अपने खानपान से लेकर उचित नींद, दवाओं और मानसिक स्वास्थ्य तक, हर चीज पर ध्यान देने की जरूरत होती है। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से ही हर साल 11 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिला को बच्चे के जन्म से पहले, उसके दौरान और बाद में देखभाल के बारे में जागरूक करना है। इस मौके पर जानते हैं उन खास हेल्द टिप्स के बारे में, जिन्हें हर गर्भवती को अपनी तिमाही के दौरान याद रखना चाहिए।

फर्स्ट ट्राइमेस्टर

फर्स्ट ट्राइमेस्टर यानी पहला त्रैमासिक आखिरी पीरियड (महावारी) के पहले दिन से लेकर 12वें सप्ताह के अंत तक का समय होता है। इन पहले तीन महीनों के दौरान बहुत कुछ होता है, जिसका ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इस दौरान इन बातों का विशेष ध्यान रखें-

डाइट में फोलिक एसिड सप्लीमेंट्स का सेवन बढ़ाएं।

मिनरल्स और आवश्यक विटामिन और प्रोटीन से भरपूर घर के बने भोजन का अधिक सेवन करें। विभिन्न प्रकार के हेल्दी फूड्स खाएं, जो आयरन, कैल्शियम और फोलेट से भरपूर हों।

पहली तिमाही के दौरान पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ के सेवन के साथ-साथ नियमित अंतराल पर बार-बार, लेकिन थोड़ा-थोड़ा भोजन जरूर करें।

सामान्य दैनिक गतिविधियों को जारी रखें जब तक कि आपको डॉक्टर की तरफ से कोई विशेष हिदायत न दी जाएं।

इस दौराम खूब आराम करें। रात में 8 घंटे की नींद लें और दिन में कम से कम 2 घंटे आराम करें।

बाई तरफ करवट लेकर लेटें, क्योंकि इससे भ्रूण को रक्त की आपूर्ति बढ़ती है।

इस दौरान चलना बेहद जरूरी है, इसलिए इसे गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे अच्छा व्यायाम माना जाता है। यह आपकी मांसपेशियों को टोंड रखने में मदद करता है।

डिहाइड्रेशन और तनाव से दूर रहें।

बिना डॉक्टर की सलाह कोई भी दवा खाने बचें, क्योंकि ऐसा करना मां के लिए स्वास्थ्य जोखिम भरा हो सकता है।

किसी भी जंक फूड का सेवन करने से भी बचें, क्योंकि यह गर्भावती में मधुमेह के बढ़ते जोखिम का कारण बनते हैं।

धूम्रपान, शराब और कैफीन के सेवन से बचे

कच्चा पपीता और कच्चा अनन्नास का सेवन न करें।

कब्ज पैदा करने वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करें।

सेकंड और थर्ड ट्राइमेस्टर

दूसरी तिमाही 13वें सप्ताह से 26वें सप्ताह के अंत तक होती है और यह पूरे चरण के दौरान सबसे सुरक्षित और सबसे अच्छा समय होता है। वहीं, तीसरा ट्राइमेस्टर 27वें हफ्ते से गर्भावस्था के अंत तक होता है। इस चरण के दौरान, एक महिला को अधिक दर्द और सूजन का अनुभव हो सकता है। इस दौरान इस बातों इन बातों का खास ख्याल रखना पड़ता है।

पर्याप्त दूध और दूध उत्पादों के साथ उच्च प्रोटीन आहार लें। वजन न बढ़े इसके लिए संतुलित आहार बहुत जरूरी है।

हाइड्रेटेड रहना जरूरी है, इसलिए तरल पदार्थों का नियमित सेवन सुनिश्चित करें।

योग जैसे नियमित व्यायाम करें।

नए सदस्य का स्वागत करने के लिए अपने घर को तैयार करें।

शराब, धूम्रपान और कैफीन के अत्यधिक सेवन से बचें।

टोक्सोप्लाज़्मोसिज़ और लिस्टेरियोसिस जैसी बीमारियों को रोकने के लिए अधपके मांस से बचें। तीसरी तिमाही में किसी भी तरह के यौन संपर्क से बचें। पूरे चरण के लिए आरामदायक कपड़े और फ्लैट फुटवियर पहनें।

गर्मी में बच्चों को पिलाएं ये हेल्दी ड्रिंक्स रहेंगे पूरे दिन एनर्जेटिक और हाइड्रेटिड

गर्मियों में ये सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा पूरे दिन सक्रिय रहता है और डिहाइड्रेशन को रोकता है। इसके लिए उन्हें पौष्टिक और ताजा भोजन और पेय प्रदान करना महत्वपूर्ण है। ऐसे में आज हम आपके बच्चे को गर्मियों में एनर्जेटिक बनाएं रखने के लिए कुछ ड्रिंक्स बताने जा रहे हैं जिनके सेवन से आपका बच्चा गर्मी को मात देकर पूरे दिन एक्टिव बना रहेगा, तो चलिए जानते हैं।

छाछ

गर्मियों के लिए एक बढ़िया पेय है छाछ। इसके लिए आप 1 भाग दही लीजिए और इसमें 4 भाग पानी डाल कर अच्छी तरह मथ लीजिए। फिर धनिया पत्ती डालें, एक चुटकी नमक डालें, जीरा और हींग के साथ तड़का लगाएं और बस आपकी छाछ तैयार है।

नारियल पानी

यह गर्मियों के लिए आदर्श आहार है। यह तुरन्त हाइड्रेट करता है, एक प्राकृतिक चिलर के रूप में कार्य करता है, और इसमें खनिजों और ट्रेस तत्वों का खजाना होता है जो आपको इंस्टेंट एनर्जी प्रदान कर सकता है। प्रतिदिन 1 गिलास नारियल पानी गर्मियों की परेशानियों को दूर रख सकता है।

नींबू पानी

नींबू पानी का एक दैनिक गिलास आपके बच्चे को आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट्स और पानी को भरने में मदद कर सकता है। आप नींबू पानी में पुदीने के पत्ते, जीरा पाउडर, थोड़ा सा सेंधा नमक और कुछ भीगे हुए चिया बीज आदि जैसी सामग्री

मिला पी सकते हैं। इससे नींबू पानी का स्वाद अच्छा हो जाएगा।

सत्तू

सत्तू को भुनी हुई चना दाल से तैयार किया जाता है। ये एक प्राकृतिक शीतलक होता है इसके साथ ही ये प्रोटीन का भी एक अच्छा स्रोत है। इसके लिए आप सिर्फ एक गिलास सत्तू ड्रिंक में कुछ किशमिश और चीनी या गुड़ मिलाकर दें। इससे आपके बच्चे में पूरे दिन के लिए पर्याप्त ऊर्जा होगी।

तरबूज

सबसे रोमांचक मौसमी फलों में से एक, यह पानी से भरपूर, पोषक तत्वों से भरपूर फल गर्मियों के लिए मेन्यू में होना चाहिए। अगर बच्चा तरबूज खाने में नखरे करता है, तो इसे कुछ पुदीने की पत्तियों के साथ मिलाकर जूस बनाकर सेवन करें।

वजन कम करने में बेरिएट्रिक सर्जरी कारगर

रोगी: मेरा वजन 89 किलोग्राम है और मेरी ऊंचाई 158 से.मी. (5'2) है, मुझे कैसे पता चलेगा कि मेरे लिए बेरिएट्रिक सर्जरी सही है या नहीं?

डॉ. सभरवाल: बैरिएट्रिक सर्जरी की अनुशंसित आमतौर पर उन लोगों के लिए की जाती है जिनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 35 या उससे अधिक है, या जिनका बीएमआई 35 या उससे अधिक है और साथ में संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं जैसे मधुमेह या उच्च रक्तचाप आदि हैं। आपकी लंबाई और वजन के आधार पर, आपका बीएमआई 35.7 है जो आपको बेरियाट्रिक सर्जरी के लिए योग्य बनाता है।

रोगी: किस प्रकार की बेरियाट्रिक सर्जरी उपलब्ध हैं, और आप मेरे लिए किसकी अनुशंसित करेंगे?

डॉ. आरुष सभरवाल

डॉ सभरवाल: बेरिएट्रिक सर्जरी के सबसे आम प्रकार गैस्ट्रिक बाईपास, स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी और रॉक्स-एन-वाई गैस्ट्रिक बाईपास हैं। आपके लिए सही सर्जरी का प्रकार आपके समग्र स्वास्थ्य, वजन घटाने के लक्ष्यों और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं सहित कई कारकों पर निर्भर करेगा।

रोगी: रोगियों को वजन कम करने में मदद करने के लिए बेरिएट्रिक सर्जरी कितनी प्रभावी है?

डॉ. सभरवाल: बेरियाट्रिक सर्जरी रोगियों को वजन कम करने में मदद करने में बहुत प्रभावी हो सकती है। सर्जरी के बाद पहले साल में मरीज आमतौर पर अपने अतिरिक्त वजन का 80 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद कर सकते हैं। हालांकि, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि रोगियों को अपने वजन घटाने को बनाए रखने के लिए जीवनशैली में बदलाव करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

रोगी: रिकवरी और फॉलो-अप देखभाल के मामले में सर्जरी के बाद मैं क्या उम्मीद कर सकता हूं?

डॉ. सभरवाल: सर्जरी के बाद, आपको अस्पताल में एक से दो दिन बिताने की संभावना है। इस दौरान आप कड़ी निगरानी में रहेंगे। एक बार छुट्टी मिलने के बाद, उपचार और वजन घटाने को बढ़ावा देने के लिए आपको एक सख्त आहार और व्यायाम आहार का पालन करने की आवश्यकता होगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप उचित प्रगति कर रहे हैं, आपको मेरे (डॉ. अरुष सभरवाल, लीड सर्जन) और कनक अग्रवाल (बेरिएट्रिक न्यूट्रिशनिस्ट) के साथ नियमित अनुवर्ती नियुक्तियों में भाग लेने की आवश्यकता होगी।

रोगी: क्या बेरिएट्रिक सर्जरी बीमा द्वारा कवर की जाती है?

डॉ. सभरवाल: कई बीमा योजनाएं बेरिएट्रिक सर्जरी को कवर करती हैं, खासकर अगर यह चिकित्सकीय रूप से आवश्यक मानी जाती है।

अधिक जानने के लिए आप हमें info@scodclinic.com पर अपने प्रशन लिख सकते हैं। नियुक्तियों या पोषण संबंधी चिंताओं के लिए हमें +91-8130130489 पर कॉल करें; अधिक जानकारी के लिए हमारे यूट्यूब चैनल पर जाएं: डॉ. आरुष सभरवाल।

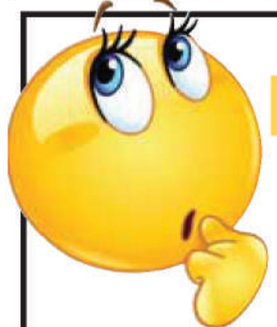

क्या आप जानते हैं?

15 अप्रैल का इतिहास

- फ्रांस ने 1689 में स्पेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- अमेरिका में 1817 में बधिर बच्चों के लिए पहला स्कूल खोला गया।
- बाल गंगाधर तिलक ने 1895 में रायगढ़ किले में शिवाजी उत्सव का उद्घाटन किया।
- डाईबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए 1923 में इंन्सुलिन बाजार में उपलब्ध हुआ।
- तत्कालीन सोवियत संघ और स्विट्जरलैंड राजनयिक संबंध बनाने पर 1927 में सहमत हुए।

हिमाचल प्रदेश राज्य की स्थापना 1948 में आज ही के दिन हुई।

- अमेरिका ने 1955 में नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- भारत सहित 109 देशों द्वारा 1994 में 'गैट' समझौते की स्वीकृति।
- थम्पी गुरु के नाम से प्रसिद्ध फ्रेडरिक लेंज का 1998 में निधन।
- आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आहवान के साथ जी -77 शिखर सम्मेलन सन 2000 में हवाना में सम्पन्न।
- ब्रिटेन में आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने 2003 में हथियार डाल देने का निर्णय लिया।
- राजीव गांधी हत्याकांड से जुड़े लिट्टे उग्रवादी वी. मुरलीधरन की 2004 में कोलम्बो में हत्या की गयी।
- इंटरपोल ने 2006 के जकार्ता सम्मेलन में एंटी करप्शन एकेडमी के गठन का प्रस्ताव सुझाया।
- पाकिस्तान की एक जेल पर 2012 में हुए हमले के बाद 400 आतंकवादी फरार हुए।
- इराक में 2013 में हुए बम विस्फोट से तक़रीबन 35 लोगों की जान गयी और 160 घायल हुए।

बच्चों के खिलौनों को इस तरह करें साफ

छोटे बच्चों को खिलौने से खेलना काफी पसंद आता है, पैरेंट भी इस बात से खुश रहते हैं कि

उनके लाडले और लाडली टॉय में इंवॉल्व हैं और परेशान नहीं कर रहे। हालांकि आपने गौर किया होगा कि बच्चे खिलौने को चबाने की कोशिश करते हैं, जिससे इसकी गंदगी मुंह में चली जाती है। ज्यादातर टॉय्ज में धूल और बैक्टीरियाज में सने होते हैं, इसलिए इसकी सफाई बेहद जरूरी है, वरना आपके बच्चे बीमार पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि अलग-अलग तरह के खिलौने को कैसे क्लीन करें।

प्लास्टिक के खिलौने

प्लास्टिक के खिलौने काफी पॉपुलर होते हैं, लेकिन इसकी रोजाना सफाई भी बेहद जरूरी है। इसे डिटर्जेंट या साबुन की मदद से साफ किया जा सकता है। कई खिलौने सपाट नहीं होते हैं इनके कुछ हिस्सों में हाथ नहीं पहुंच पाता, ऐसे में आप एक साफ टूथब्रश की मदद से क्लीनिंग कर सकते हैं। कोशिश करें कि कोई भी हिस्सा बाकी न रहे।

रबड़ के खिलौने

बच्चों को रबड़ के खिलौने से भी खेलना काफी रास आता है, लेकिन इसमें कीटाणु काफी ज्यादा जम जाते हैं, इसलिए नियमित तौर से इसकी सफाई बेहद जरूरी है। आप सबसे पहले एक टब में पानी रखें और इसमें लिक्विड सोप और व्हाइट विनेगर मिला लें, अब खिलौने को इसमें डुबो दें। थोड़ी देर बाद ब्रश और पानी की मदद से टॉय्ज को क्लीन कर लें।

लकड़ी के खिलौने

लकड़ी के खिलौने को आप पानी में डुबोकर साथ नहीं कर सकते, क्योंकि इससे वो जल्दी खराब हो जाएंगे। इसके लिए आप एक कटोरी में पानी और सफेद सिरके को मिक्स कर लें। अब सूती कपड़े या रूई के गोलों की मदद से खिलौने को पोछकर क्लीन करें।

इन पत्तियों को पानी में उबालकर पीने से कंट्रोल में रहेगा फास्टिंग शुगर

अगर आपको डायबिटीज की बीमारी है तो आपको अपने घर में इंसुलिन का पौधा लगाना चाहिए। दरअसल, इंसुलिन का पौधा, डायबिटीज में शुगर कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। दरअसल, इन पत्तियों के अर्क में कुछ ऐसे गुण होते हैं जो कि इंसुलिन को बढ़ाने और शुगर पचाने में मदद करते हैं। आज हम आपको फास्टिंग शुगर कंट्रोल करने में इन पत्तियों के सेवन के बारे में बताएंगे। साथ ही जानेंगे इसका इस्तेमाल कैसे करें और फिर इन्हें इस्तेमाल करने के फायदे।

उबालकर पिएं इंसुलिन का पानी

अगर आपका शुगर कंट्रोल में नहीं रहता तो आपको इंसुलिन की पत्तियों को उबालकर इसके पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए पहले इंसुलिन के पौधे से कुछ पत्तियों को तोड़ लें और फिर इसे धो कर 1 गिलास पानी में उबालते हुए पकाएं। जब ये पानी कम हो जाए और इसका रंग हरा हो जाए तो ऊपर से थोड़ा नमक मिलाएं। इसके बाद इस पानी का सेवन करें।

कब-कब पिएं-इंसुलिन का पानी

इंसुलिन का पानी पीने के कई फायदे हैं लेकिन, इसके लिए आपको इसे लेने के सही समय के बारे में जानना चाहिए। जैसे कि अगर आप फास्टिंग शुगर कंट्रोल करने के लिए इसे पी रहे हैं तो इसे शाम को या रात में सोने के दौरान पिएं। ये आपके शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर शुगर मेटाबोलिज्म तेज करता है जिससे फास्टिंग शुगर को कम करने में मदद मिलती है।

इंसुलिन का पानी पीने के फायदे

इंसुलिन का पानी पीने के फायदे कई हैं। कई शोध बताते हैं कि नियमित रूप से इन पत्तियों का सेवन शरीर में ऐसी स्थिति पैदा करता है कि जिससे शरीर को लगता है कि इंसुलिन बढ़ गया है और इसके हिसाब से शुगर पचने लगता है। इसके अलावा इन पत्तियों में एंटीबैक्टीरियल, मूत्रवर्धक और कुछ एंटी इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं।

बढ़ते संक्रमण के बीच लक्षणों पर दें गंभीरता से ध्यान

पिछले एक महीने से देश में कोरोना के संक्रमण के कारण धीरे-धीरे ही सही स्थिति बिगड़ती हुई देखी जा रही है। जनवरी-फरवरी की शुरुआत में जहां हालात एकदम कंट्रोल में लग रहे थे, वहीं मार्च में कोरोना ने काफी तेज रफ्तार पकड़ ली है। पिछले तीन दिनों से लगातार देश में तीन हजार के करीब मामले सामने आ रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि मार्च के महीने में देश में संक्रमण के कारण मृत्यु के आंकड़ों में 114 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। कोरोना मामलों के विशेषज्ञ कहते हैं, देश में कोरोना के इस बढ़ते संक्रमण के लिए ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट XBB.1.16 को कारण माना जा रहा है। इसमें देखे गए म्यूटेशन इसे अन्य ओमिक्रॉन वैरिएंट्स से अधिक संक्रामकता वाला बनाते हैं। हालांकि इससे उन लोगों में गंभीर रोग विकसित होने का खतरा भी हो सकता है जिनकी इम्युनिटी कमजोर है या फिर जो कोमोरबिडिटी का शिकार हैं। आइए जानते हैं कि इस वैरिएंट में किस प्रकार के गंभीर लक्षण विकसित होने का खतरा हो सकता है?

कोविड प्रोटोकॉल का करें पालन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना न सिर्फ आपको, बल्कि कोरोना के गंभीर रोगों के खतरे वाले लोगों को भी संक्रमण से बचाने में सहायक हो सकता है। इसके लिए कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।मास्क जरूर पहनें, खासकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों में।हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करते रहें।कोरोना से सुरक्षित रहने के लिए वैक्सीनेशन जरूर कराएं।सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते रहें।

वैरिएंट के कारण होने वाली दिक्कतें

कोरोना के इस नए वैरिएंट से संक्रमण के कारण फिलहाल लोगों में गंभीर रोगों की स्थिति नहीं देखी जा रही है। अध्ययनों में पाया गया है कि देश में दूसरी लहर का कारण बनने वाले डेल्टा वैरिएंट की तुलना में इसके लक्षण काफी हल्के हैं। ये लक्षण अक्सर घर पर रहकर ठीक भी हो जा रहे हैं। संक्रमितों में कुछ समय तक बुखार और नाक बंद होना, गले में खराश, सिरदर्द, शरीर में दर्द, थकान जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

संक्रमण के लक्षण और इसका खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कोरोना के इन नए वैरिएंट्स के कारण गंभीर रोगों का खतरा कम देखा जा रहा है। वैक्सीनेशन की दर ने इस तरह के जोखिम को

कम कर दिया है। पर कोरोना वायरस श्वसन रोग है जो फेफड़ों को प्रभावित कर सकता है। इसके कारण लॉन्ग कोविड संक्रमण का खतरा बना हुआ है। ऐसे में कुछ लोगों में संक्रमण की स्थिति गंभीर रोग को बढ़ावा दे सकती है। बुजुर्ग, कॉमरेडिटी वाले लोगों में इसका खतरा अधिक होता है। गर्भवती महिलाओं में संक्रमण की स्थिति का शिशु की सेहत पर असर पड़ने की भी प्रमाण मिले हैं।

संक्रमण का बढ़ना चिंताजनक

कोरोना मामलों के विशेषज्ञ कहते हैं, नए वैरिएंट्स के कारण गंभीर लक्षण जैसे निमोनिया, स्वाद-गंध न आने की समस्या फिलहाल नहीं देखी गई है। गंभीर रोग के जोखिम कारक वालों में सांस की दिक्कतें हो सकती हैं, कुछ लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ सकता है पर ऐसे मामले बहुत कम हैं।बूस्टर वैक्सीनेशन ने कोरोना की गंभीरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, पर इन नए वैरिएंट्स की इम्यून स्केप क्षमता ऐसे लोगों को भी संक्रमित कर सकती है। इसके लिए सभी लोगों को सुरक्षात्मक उपाय करते रहना आवश्यक है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा अंतर्जनपदीय गौ-तस्कर

मौके से 04 राशि गाय व 01 राशि बछिया व वाहन एक अदद पिकअप व एक अदद तमंचा व एक अदद जिन्दा कारतूस बरामद

पीकअप वाहन पर गोवंशो लादकर लठूडीह से कोटवा नारायणपुर के रास्ते बिहार प्रान्त वध हेतु ले जाते समय मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष भांवरकोल सत्येंद्र कुमार राय मय टीम द्वारा की गयी कार्यवाही

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों/वांछित अभियुक्तो व गौ-तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मु0बाद के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 15.04.2023 को प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय व उ0नि0 ओमकार तिवारी मय हमराह देखभाल क्षेत्र में मामूर थे कि तभी जरिये मुखबिर उनको सूचना मिली कि एक अदद पीकअप वाहन पर गोवंशो लादकर लठूडीह से कोटवा नारायणपुर के रास्ते बिहार प्रान्त वध हेतु ले जा रहे है। इस सूचना पर थानाध्यक्ष भांवरकोल मय पुलिस बल बसनिया निमार्धीन पुलिया के पास पहुंच कर चेकिंग कर रहे थे कि कुछ ही समय मे एक पीकएप वाहन संख्या UP60AT5837 आया, जिसे चेक किया गया तो उक्त वाहन मे अभियुक्त चालक कमलेश यादव पुत्र भोलानाथ यादव आशापुर चितबढ़ा गांव जनपद बलिया के कब्जे से एक अदद वाहन पिकप नं0 UP60AT5837 व उसमे लदे 04 राशि गाय व 01 राशि बछिया को वध हेतु बिहार प्रान्त ले जाने तथा एक अदद अवैध तमंचा .315 बोर व एक जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ समय करीब 04.40 बजे गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 62/2023 धारा 3/5A/5B/8 गोवध निवारण अधिनियम व 3/25 आर्म्स एक्ट मे पंजीकृत किया गया व उपरोक्त वाहन को अलग से 207 एमवी एक्ट के तहत आनलाईन सीज किया गया। अभियुक्त उपरोक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेशी हेतु भेजा जा रहा है। गिरफ्तार/बरामदगी करने वाले अधि0/कर्मचारीगण टीम में सत्येन्द्र कुमार राय प्रभारी निरीक्षक, उ.नि. ओमकार तिवारी का. आकाश सिंह, का. मनोज यादव, का. देवेन्द्र यादव, का. पंकज सिंह, का. अजय प्रजापति, म.का. शालू सिंह, म.का. प्रिति पाण्डेय शामिल रहे।

शिक्षा ही मात्र एक ऐसा माध्यम है जो किसी भी राष्ट्र को सर्वश्रेष्ठ बनाती है: डॉ. अवनीश सिंह

प्रखर चंदवक जौनपुर। स्थानीय बाजार के तिराहे पर स्थित महात्मा गांधी पार्क में शुक्रवार की सुबह संविधान निमार्ता व भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 132 वी जयंती मनाई गई इस दौरान अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया सत्कार ग्रुप के चेयरमैन डॉ अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि बाबा साहब का सपना एक शिक्षित समाज बनाने का था क्योंकि शिक्षा ही मात्र एक ऐसा माध्यम है जो किसी भी राष्ट्र को परिवार को सर्वश्रेष्ठ बनाती है शिक्षा भी ऐसी हो जो आर्थिक संपन्नता लाये, रोजगार दे आपका भरण

पोषण कर सके समाज में सम्मान दिला सके। उन्होंने कहा कि अंबेडकर जयंती पर मैं वचन देता हूं कि अगर किसी को शिक्षा से संबंधित जानकारी (तकनीकी मेडिकल) चाहिए तो हमसे संपर्क कर सकता है मैं उसकी भरपूर मदद करूंगा इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख जयप्रकाश राम, ग्राम प्रधान चंद्रिका यादव, घनश्याम सिंह जिला पंचायत सदस्य, शिवधारी यादव प्रधान, सचिन ,शिवप्रकाश, राजेश समेत आदि लोग मौजूद रहे।

बाबा साहब के मूल उद्देश्यो को जानकर ही हमारा समाज बड़ सकता है आगे : सर्वेश चंद्र

प्रखर चंदवक जौनपुर। बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर जयंती देश में ही नही बल्कि कई देशों में अपने अपने तरीकों से बड़े ही धूमधाम से मनाई जाती है पर एक ऐसा गांव जहां अंबेडकर जयंती के मौके पर मेले आयोजन कर सबका ध्यान आकृष्ट करने का सफल प्रयास किया गया

जिसकी चर्चा क्षेत्र में खूब की जा रही है हम बात कर रहे हैं डोभी विकास खण्ड अंतर्गत तराव गांव के बगही पूर्वे की जहां पर नव युवक मंगल दल के नेतृत्व में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंबेडकर जयंती पर मेले का आयोजन किया गया।मेले का शुभारंभ बाबा साहब के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए केक काटकर किया गया इस दौरान हर वर्ष की भांति इस वर्ष भारी संख्या में आस पास के लोगो की भीड़ इकट्ठा हुई कार्यक्रम देर रात तक चला। कार्यक्रम के आयोजक सर्वेश चंद्र ने बताया कि अंबेडकर जयंती पर मेले का आयोजन यह दूसरी बार है पहली बार की अपेक्षा इस बार कई गावों के लोगो मेले में आये मेले का खास उद्देश्य है कि लोगो को मेले के माध्यम से जागरूक करना बाबा साहब के उपदेशों को बताना कि हमारा समाज तभी आगे बड़ सकता है जब हम बाबा साहब के मूल उद्देश्य को जानेंगे।बाबा साहब ने देश को एक ऐसा संविधान दिया जिसमे हर समाज के समानता का अधिकार है हम लोग आज जो कुछ भी है उन्ही के बदौलत है। इस अवसर पर अमरनाथ कौशिक, त्रिभुवन, मानिक चंद,संतोष कुमार, अजय कुमार, गुलशन कुमार, अवनीश गौतम, उमेश कुमार विक्की, श्यामसुंदर, विद्धू, जयजेश भास्कर, प्रिंस सहगल, वीरेंद्र कुमार, रितेश रावण, प्रीतेश सहगल, आनंद कुमार, अनुज कुमार, रजत कुमार, इंद्रेश भास्कर व रजनीश कुमार समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सेनापुर गांव में हर्षोल्लास से मनाई गई अम्बेडकर जयंती

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के सेनापुर गांव में शुक्रवार की सुबह भारतीय संविधान के शिल्पकार, व भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। इस दौरान विचार संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया विचार संगोष्ठी में बाबा साहब के उन संदेशों पर चलने का संकल्प लिया गया उपस्थित शिक्षक अमरनाथ शास्त्री ने बताया कि बाबा साहब का व्यक्तित्व बहुत ही महान था समाज में परिवर्तन लाने के लिए उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी दलितों के लिए वे किसी भगवान से कम नहीं है। महान समाज शास्त्री,अर्थशास्त्री, इतिहास के जानकार मानव विज्ञान के ज्ञाता बौद्ध पाली और संस्कृत साहित्य के जानकार व संपूर्ण वेदों और उपनिषदों का अध्ययन करने वाले महान लेखक पत्रकार मानवाधिकारों के संरक्षण के साथ विश्व के सभी संविधान की जानकारी रखने वाले महापुरुष बाबा साहब थे।वही भीम आर्मी शोषित पीड़ित और वंचित समाज के अधिकारों पर कुठाराघात किया जा रहा है आज हम सभी दलित पिछड़े वर्गों के लोगो को अपने समाज हित की रस्सी को मजबूत करने की आवश्यकता है इस

सह संयोजक मंडल वाराणसी रत्नेश कुमार ने बताया कि अंबेडकर जयंती को समानता दिवस और ज्ञान दिवस के रूप में भी जाना जाता है गरीब,मजदूर, किसान, नौजवान दलित पिछड़े अवसर पर अमरनाथ मास्टर,डब्बू कुमार, पूर्व प्रधान रमेश कुमार, प्रधान अरविंद चौहान,विनोद कुमार मास्टर, राजेश मास्टर, गुड्डू, संतलाल, चंद्रहास, जितेंद्र, सुबास, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

एनडीआरएफ ने गंगा घाटों पर चलाया स्वच्छता अभियान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत एनडीआरएफ वाराणसी की टीमें उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के दिशा-निर्देशन में स्वच्छता अभियान में अपना योगदान दे रही हैं एनडीआरएफ जवानों के स्वच्छता अभियान के प्रयासों को देखते हुए इलाकों से सामाजिक संस्थाएं, स्कूल, प्रशासन, युवा वालंटियर और स्थानीय लोग इस अभियान से जुड़ रहे हैं। उसी कड़ी में आज शनिवार को वाराणसी में

गंगा को अविरल और निर्मल बनाने की मुहिम के तहत एनडीआरएफ वाराणसी ने जल पुलिस, गंगा सेवा निधि और नगर निगम वाराणसी के साथ मिलकर प्रयाग घाट से राजेंद्र प्रसाद घाट तक स्वच्छता अभियान चलाया` इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वाराणसी के जनसामान्य, श्रद्धालु एवं पर्यटकों में गंगा नदी और घाटों को स्वच्छ व साफ रखने के लिए प्रेरित करना था` उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि स्वच्छ भारत और स्वच्छ गंगा मिशन के तहत यह अभियान चलाया जा रहा है और इसके साथ ही जी-20 को लेकर दुनिया भर से मेहमान वाराणसी में आ रहें हैं जिसके चलते हम सभी की और भी ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है कि देश-विदेश से आए मेहमान काशी और भारत देश की सकारात्मक छवि को साथ लेकर जाएं आज के इस अभियान में जल पुलिस प्रभारी-मिथिलेश, नगर निगम से सुनील राय, गंगा सेवा निधि एवं बड़ी संख्या में कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वच्छता के इस अभियान में अपना योगदान दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने लगाई फांसी, हुई मौत

प्रखर चुनार मिजार्पुर। कोतवाली के अंतर्गत कुशहा गांव निवासी नितिन कुमार मिश्रा की पत्नी सोनी मिश्रा ने सुबह 9 बजे अपने कमरे में पंखे में साड़ी बांधकर आत्महत्या करली उस वक्त घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था पति नितिन एक प्राइवेट विद्यालय में अध्यापक है अपने विद्यालय चला गया था पिता गांव में कहीं गए थे और दादी भी किसी के घर गई थी और बेटा वेदांत 6 साल का है वह अपने विद्यालय गया था बताया जाता है नीतीश की शादी 2013 में कृष्णानंद पाठक चौखड़ा उदरा कैमूर बिहार के पुत्री सोनी के साथ हुआ था सोनी 1 दिन पूर्व अपने बहन के घर से लौट कर आई थी पति से कुछ विवाद हुआ था आर्थिक तंगी के चलते भी काफी परेशान रहती थी इसी को देखते हुए पति ने एक ब्यूटी पार्लर खुलवा रखा था सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजे को तोड़ने का प्रयास किया लेकिन सोनी के पिता ने दरवाजा खोलने के लिए मना कर दिया था आने के बाद ही दरवाजा खोला जाएगा करीब 5 घंटे बाद पिता के आने के बाद दरवाजा खोला गया पुलिस ने पंखे से बॉडी को उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस मुठभेड़ में तमंचा कारतूस सहित दो गिरफ्तार, एक घायल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार की बीती रात पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से एक हत्यारोपी घायल हो गया। वही, एक अन्य साथी के साथ दोनों बदमाशों को पकड़ लिया गया। यह मुठभेड़ शहर कोतवाली क्षेत्र में उस वक्त हुई जब प्रभारी निरीक्षक कोतवाली तेज बहादुर सिंह अपनी टीम के साथ भूतहियाताडं पर चेकिंग कर रहे थे। फिलहाल घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि दूसरा पुलिस की हिरासत में हैं। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि रात्रि 11.15 बजे कोतवाली थाना क्षेत्र के भूतहियाताड़ पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली चेकिंग कर रहे थे तभी एक बाइक पर सवार दो बदमाश सम्राट ढाबा की तरफ से आते हुए दिखाई दिए। बदमाशों को पुलिस टीम ने रोकने का इशारा किया तो बदमाशों ने जान मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायर करते हुए शादियाबाद की तरफ भागने लगे। जिसकी सूचना प्रसारित करते हुए पीछा किया गया तो मीरनपुर हाइवे मोड़ के पास उप निरीक्षक शिवाकान्त मिश्रा द्वारा घेराबन्दी

करके पीछा किया गया। भूतहिया तांड़ मोड तिराहे के पास मौजूद स्वाट टीम द्वारा उक्त सूचना के क्रम में घेराबन्दी की गयी मीरनपुर सक्का हाइवे के पास बदमाशों द्वारा अपने को घिरता हुआ देख पुलिस टीम पर दुबारा जानलेवा फायरिंग किया गया। आत्मरक्षा में जबाबी कार्यवाही करते हुए एक बदमाश को गोली लग गयी और मौके से एक बदमाश अंधेरे में भागने का प्रयास किया जिसको घेर कर पुलिस टीम द्वारा मय तमंचे के साथ पकड़ लिया गया । घायल बदमाश को इलाज हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। घायल बदमाश थाना कोतवाली व थाना सुहवल मे हुई हत्या के मामले मे वांधित अभियुक्त भी है। घायल अभियुक्त का विवेक राय उर्फ रावण पुत्र मुन्ना राय नि0 ग्राम गडुआ मकसूदपुर थाना सुहवल गाजीपुर को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है जबकि पकड़े गये बदमाश शशिभूषण शर्मा उर्फ भोलू पुत्र श्रीकान्त शर्मा नि0 ग्राम भगीरथपुर थाना सुहवल जनपद गाजीपुर को पुलिस कस्टडी में रखकर आपराधिक की खोजबीन की जा रही है।

विषम परिस्थितियों से नहीं मानी हार, नेट क्वालीफाई करके बढ़ाया क्षेत्र का मान

सुईथाकला। विकासखंड क्षेत्र के भेला गांव के योगेश कुमार पुत्र अच्छेलाल प्रजापति ने घर पर ही तैयारी करके यूजीसी नेट 2022 की परीक्षा उत्तीर्ण की है। परीक्षा में करीब 94 फीसदी अंक हासिल किया है ।पिता साधारण और गरीब किसान हैं और माता ग्रहणी हैं।गरीबी, अभाव,संघर्ष ,कठिन और विषम परिस्थितियों को झेलते हुए यह सफलता हासिल की। उन्होंने यह उपलब्धि हासिल होने पर इसका श्रेय माता पिता तथा गुरुजनों को दिया है। उन्होंने सफलता का रहस्य बताते हुए कहा कि लक्ष्य के प्रति एकाग्र चित्त होकर अध्ययन करने से ही सफलता प्राप्त होती है।यदि हौसले बुलंद हो तो विषम परिस्थितियां भी अनुकूल हो जाती हैं।

गांधी स्मारक विद्यालय संकुल के प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह रानू ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य निर्धारित हो तो कोई भी विद्यार्थी स्वयं कठिन मेहनत करके सफलता हासिल कर सकता है।परिस्थितियां प्रतिभाओं के लिए मोहताज नहीं होतीं। प्रबंधक ने सभी छात्र- छात्राओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बताया ।श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के पूर्व प्रधानाचार्य डा. रणजीत सिंह ने कहा कि वह शुरूआत से ही एक मेधावी छात्र था।पूर्व प्रधानाचार्य ने निरंतर प्रगति करने के लिए बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,जौनपुर के पूर्व एनएसएस समन्वयक एवं गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर,जौनपुर में इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव ने योगेश कुमार की सफलता पर बधाई दी और कहाकि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है,यदि सच्ची लगन से परिश्रम किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डा.उमेश चंद्र तिवारी गुरुजी ने इस उपलब्धि को पूरे क्षेत्र के लिए गौरवान्वित करने वाली सुखद अनुभूति बताया। उन्होंने कहा कि विकासखंड क्षेत्र का नाम पूरे जनपद में रोशन हुआ है।बधाई देने के लिए विद्यालय संकुल के समस्त प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों सहित तमाम जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों कर्मचारियों, गणमान्य नागरिकों का तांता लग गया है। बड़े भाइयों बृजेश कुमार, राम नरेश प्रजापति तथा छोटे भाई रत्नेश कुमार प्रजापति ने हार्दिक बधाई दी।माता पिता के संघर्ष को सार्थक साबित करके लक्ष्य के प्रति संघर्षरत प्रतियोगी छात्र -छात्राओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बताया।

बच्चों के साथ मनाई गयी 132वीं अम्बेडकर जयंती

प्रखर चन्दवक जौनपुर। थाना क्षेत्र के बरौटी गाँव में निःशुल्क बच्चों को पढ़ाये जाने वाले मानवधिकार राष्ट्रीय रजक महासंघ जिला महासचिव श्रवण कन्नौजिया व बच्चों के अभिवावकों के साथ बहित ही हर्षोउल्लास के साथ मनाई गयी 132 अम्बेडकर जयंती जहाँ सरकार द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के तहत सब पढे सब बढे के बच्चों पर जोर डाला जा रहा हैं। नई गाइड लाईन जारी किया जा रहा हैं। चन्दवक थाना क्षेत्र के बरौटी गांव निवासी मानवधिकार राष्ट्रीय रजक महासंघ जिला महासचिव श्रवण कन्नौजिया ने दलित समाज के करीब 50 बच्चों से अधिक बच्चों को निःशुल्क शिक्षा पढ़ाते हैं। वहि गाँव के अगल-बगल इनकी काफी सराहना हो रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

पंजाबी नृत्य देवांग पिरामिड की प्रस्तुति ने लोगों का मोहा मन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार 14 अप्रैल को सर्वोदय पब्लिक स्कूल आदर्श बाजार का स्थापना दिवस मनाया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिटायर्ड न्यायधीश ज्ञानप्रकाश गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व प्राचार्य हिन्दू डिग्री कॉलेज अनिल कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया' स्कूल के संस्थापक उमा शंकर प्रजापति ने स्कूल मे सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरुस्कार से सम्मानित किया। संस्कृति से समृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल के छात्र एवं छात्राओं द्वारासंस्कृति कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम मे हजारों की संख्या मे अभिभावक एवं छात्र उपस्थिति रहे। इस अवसर पर स्कूल के छात्रों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति किया। कार्यक्रम मे जल बचाओ एवं सोशल मीडिया, पंजाबी नृत्य एवं पीरामिड की प्रस्तुति ने लोगो का मन मोह लिया' कार्यक्रम के अंत मे संस्था के संस्थापक ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया' उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने मे स्कूल के शिक्षको एवं शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

16 अप्रैल को होगा 26वें वेलफेयर उत्सव एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वेलफेयर क्लब गाजीपुर के तत्वाधान में 26वें वेलफेयर उत्सव एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन 16 अप्रैल दिन रविवार को नगर के रामदूत इंटरनेशनल स्कूल के सभाकक्ष में प्रातः 10 बजे से किया गया है। इस कार्यक्रम में 2022-23 सत्र में क्लब द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं मेहंदी, सामान्य ज्ञान, गणित एवं तार्किक, चित्रकला, निबंध, वाद विवाद, गायन, शास्त्रीय एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता में चयनित छात्र छात्राओं को शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु चयनित 12 विद्यालयों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष का पर्यावरण संरक्षण सम्मान रणधीर यादव को दिया जाएगा, जबकि उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान चंदना बनर्जी को दिया जाएगा। उत्सव के मुख्य अतिथि राम नगीना सिंह यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी तथा विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार सिंह प्रबंधक एवरग्रीन पब्लिक स्कूल, राजेश्वर सिंह प्रबंधक गौरी शंकर पब्लिक स्कूल होंगे तथा अध्यक्षता सुरेंद्र यादव प्रबंधक रामदूत इंटरनेशनल स्कूल करेंगे।

युवक ने रस्सी के सहारे फांसी लगाकर की खुदखुशी

प्रखर चंदवक जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र चंदवक पुल पर एक युवक ने रस्सी के सहारे फंदा लगाकर लटकता मिला। जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई सूचना। चंदवक थाना क्षेत्र चंदवक बाजार के अंतर्गत चंदवक पुराने पुल पर शनिवार सुबह में संदिग्ध परिस्थितियों में 28वर्षीय एक युवक ने रस्सी का फंदा लगाकर झूला हुआ मिला जिससे उसकी मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। चंदवक बाजार में वह अपने मामा के यहाँ रहता था।किसी कारण भाड़े का रूम लेकर रहता था। गोपालपुर देवगांव जिला आजमगढ़ निवासी 28 वर्षीय सुनील गुप्ता पुत्र लालजी गुप्ता बताया जा रहा है। सुबह भोर में करीब शौच के लिए लोग बाहर गए तो देखकर चौक गए आनन फानन में किसी तरह गांव के लोगों को इकट्ठा कर पुलिस को सुचना दिया। मौके पर चंदवक थानाध्यक्ष विजय शंकर सिंह पुलिस को लेकर लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जौनपुर भेज दिया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः
9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः
0548-2223833, +91-8858563779
+91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं